दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:29 ए एम
सूर्यास्तः 07:07 पी एम
तिथिः तृतीया - 11:36 पी एम तक
नक्षत्रः ज्येष्ठा - 08:10 ए एम तक
योगः सिद्ध - 06:45 पी एम तक
करणः वणिज - 01:17 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 11:36 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः बुधवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 118 • पृष्ठ 8 • बुधवार 18 मई 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

यमुना एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रक से टकराई, तीन लोगों की मौत, 40 घायल

मथुरा। मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी बस आगे चल रहे गिट्टी से भरे ओवरलोड ट्रक से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 40 श्रद्धालु घायल हो गए। सूचना के बाद पहुंची नौहझील पुलिस और एक्सप्रेसवे कर्मियों ने घायलों को सीएचसी नौहझील पहुंचाया। वहां से छह से ज्यादा लोगों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। एसडीएम मांट इंद्रनंदन, सीओ नीलेश मिश्रा अस्पताल पहुंच कर घायलों के बारे में जानकारी ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक ट्विन टावर्स को गिराने के लिए 3 महीने की दी मोहलत

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सुपर टेक ट्विन टावर्स को गिराने के लिए तीन महीने की मोहलत देने को तैयार हो गया है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में 40 मंजिला ट्विन टावर्स बने हैं। डिमोलिशन एजेंसी एडिफाइस इंजीनियरिंग की प्रार्थना पर कोर्ट ने 28 अगस्त 2022 तक का समय दे दिया। इसके पहले कोर्ट ने 22 मई तक ट्विन टावर्स गिराने का समय दिया था। नोएडा के सेक्टर-93ए में बनी सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट सोसाइटी में स्थित अवैध करार दिए जा चुके इन ट्विन टावर्स को ढहाने की तैयारियों में देरी होने से डेमोलिशन का काम संभाल रही कंपनी एडिफिस इंजीनियरिंग ने सुप्रीम कोर्ट से समय सीमा 28 अगस्त तक बढ़ाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी की इस मांग को मानते हुए समय सीमा बढ़ा दी है। हालांकि, नोएडा प्राधिकरण ने समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया था। बता दें कि, सुपरटेक एमरॉल्ड कोर्ट परिसर में बने ट्विन टावर को पहले 22 मई को गिराया जाना प्रस्तावित था, लेकिन मौके पर बचे काम को देखते हुए यह असंभव लग रहा था।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
54,318.47+1,344.63 (2.54%)
निफ्टी
16,259.30+417.00 (2.63%)

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में अब हिंदू सेना भी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी।

ज्ञानवापी मस्जिद सर्वे का मामला लगातार पेचीदा होता जा रहा है। अब हिंदू सेना भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक जा पहुंची है। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी पहले ही सर्वे पर रोक लगाने की मांग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी है।

वारणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी की ओर से सर्वे पर रोक लगाने के लिए दायर की गई याचिका पर आज सुनवाई करेगा। इस मामले की सुनवाई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी।

वहीं हिंदू सेना ने अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद, वाराणसी की प्रबंधन समिति द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका के मामले में हस्तक्षेप करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। ज्ञानवापी मस्जिद रिपोर्ट सर्वे पर असिस्टेंट कोर्ट कमिश्नर अजय प्रताप सिंह का कहना है कि हमारी रिपोर्ट 50% तक तैयार हो गई है। रिपोर्ट पूरी तैयार नहीं है इसलिए आज कोर्ट में प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे। हम कोर्ट में एप्लिकेशन देकर समय की मांग करेंगे। 2-3 दिन का समय मांगेंगे। सोमवार को ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का काम तीन दिन बाद पूरा हो गया। वहीं हिंदू पक्ष के वकीलों ने दावा किया कि वजू के स्थान पर नंदी के ठीक सामने शिवलिंग मिला है। ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने के दावे के बाद वाराणसी कोर्ट ने उस स्थान को तत्काल प्रभाव से सील करने के आदेश दे दिए हैं। कोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिया है कि किसी को भी वहां न जाने दिया जाए। कोर्ट ने जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर और सीआरपीएफ कमांडेंट को आदेश दिया है कि जिस स्थान को सील किया गया है उसे संरक्षित रखने की पूरी जिम्मेदारी इन अधिकारियों की होगी।

मुस्लिम पक्ष का दावा-शिवलिंग में नहीं होता छेद, सींक डाल कोर्ट कमिश्नर ने देखा

» ज्ञानवापी परिसर में कमीशन की कार्रवाई के दौरान वजूखाने की जांच के लिए पानी और मलबा निकालकर सर्वे की कार्रवाई को पूरा किया गया। ढाई घंटे तक चली कार्रवाई के बाद बाहर निकले वादी पक्ष के चेहरे प्रसन्नता से खिले हुए थे। वहीं सुबह से ही सुरक्षा के इंतजाम रोज की तरह ही सख्त रहे, हालांकि सोमवार का दिन और वैशाख पूर्णिमा होने के कारण श्रद्धालुओं के लिए थोड़ी ढील दी गई थी, लेकिन दुकानों पर पाबंदी यथावत रही। सोमवार को सुबह छह बजे से ही गोदौलिया से मैदागिन के बीच में सुरक्षाकर्मियों की चहलकदमी शुरू हो गई। साढ़े सात बजे से ही परिसर में वादी-प्रतिवादी पक्ष के लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। वजूखाने से पानी निकालने के लिए जलकल विभाग की टीम और मलबा निकालने के लिए नगर निगम के दस्ते को पहले ही बुला लिया गया था। नगर निगम की टीम मछली निकालने के लिए जाल भी साथ लाई थी। कमीशन के निर्देश पर जलकल विभाग की टीम ने पहले वजूखाने से मछलियों को बाहर एक पानी के टैंक में निकलवाया। इसके बाद वजूखाने का पानी निकाला गया। करीब 10 हजार लीटर पानी की निकासी की गई। इसके बाद वजूखाने से मलबे को बाहर निकलवाकर सात फीट से अधिक की गहराई में टीम के सदस्य उतरे।

असमः बाढ़ से अब तक 7 की मौत

गुवाहाटी/एजेंसी।

असम में बाढ़ के चलते हालात खराब हो गए हैं। राज्य के कछार, चराईदेव, दरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़ और दीमा हसाओ सहित 24 जिलों में अब तक 2 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने केरल के 4 जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड के बाद पहाड़ी जिला दीमा हसाओ राज्य के बाकी हिस्सों से कट गया है। कम्युनिकेशन पूरी तरह बंद है। हाफलोंग की ओर जाने वाली सभी सड़कें और रेलवे लाइन 15 मई से बंद हैं। लगातार बारिश के कारण कई जिलों में सड़कें, पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। फसलों तबाह हो गई हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कछार जिले में बाढ़ से दो मौतें हो गई हैं, जबकि दीमा हसाओ में लैंडस्लाइड के कारण तीन मौतें हुई हैं। बाढ़ से 20 जिलों के 46 राजस्व मंडलों के कुल 652 गांव अब तक प्रभावित हुए हैं। लोगों को राहत देने के लिए सात जिलों में करीब 55 राहत शिविर खोले गए हैं, जिसमें 32 हजार 959 लोगों को आश्रय दिया गया है। एनडीआरएफ सेना बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत अभियान में जुटे हैं।

मौसम विभाग ने केरल में भारी बारिश की चेतावनी दी है और मलप्पुरम, कोझीकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों सहित चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अन्य सभी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा कई इलाकों में बाढ़ का अलर्ट भी जारी किया गया है। कोट्टायम में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, नदियां उफान पर आ गईं, बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं और फसलें नष्ट हो गईं। इस बीच, केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मानसून की तैयारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ बैठक की। मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को सभी जिलों में एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

बंगाल की खाड़ी में पहुंचा मानसून

कोलकाता/एजेंसी।

भीषण गर्मी और देश के अधिकांश हिस्से में लू के थपेड़ों का सामना कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस बार न केवल मानसून सामान्य रहेगा, बल्कि उसने बंगाल की खाड़ी में 16 मई को दस्तक भी दे दी है। और इस हफ्ते केरल, उत्तराखंड, असम और मेघालय में हल्की बारिश का भी अनुमान है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आपके शहर और राज्य में कब बारिश दस्तक देगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मानसून 16-17 मई को अंडमान निकोबार पहुंच चुका है। और अब वह सामान्य रूप से आगे की ओर बढ़ रहा है। और जैसा अनुमान है कि मानसून , एक जून तक केरल के तट पर टकरा सकता है। और 30 जून तक वह देश के सभी इलाकों में पहुंच जाएगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुमान और मानसून के पुराने रिकॉर्ड को देखते हुए 1 जून को मानसून बंगाल की खाड़ी से होते हुए केरल और तमिलनाडु में पहुंच जाएगा। और पूरे इलाके में मानसून की पहली बारिश होगी। और उसका असर तेलंगाना और कर्नाटक के तटीय इलाकों और पूर्वोत्तर भारत में दिखेगा।

इसके बाद मानसून आगे बढ़ते हुए 5 जून तक असम, मेघालय, कर्नाटक और तेलंगाना के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों को पूरी तरह से कवर कर लेगा। और वहां पर अच्छी बारिश का अनुमान है। मानसून का असर 5 जून तक इन राज्यों के अलावा गोवा में भी दिखेगा।

कश्मीर में टारगेट किलिंग

भूमाफिया और आदतन अपराधी हैं आजम खान : आदित्यनाथ

लखनउ/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सपा के सीनियर नेता आजम खान को भूमाफिया बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में जमानत का विरोध किया है। यही नहीं यूपी सरकार ने कहा कि आजम खान 'आदतन अपराधी' हैं। यूपी सरकार की ओर से अदालत में पेश अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आजम खान पहले ही भूमि कब्जाने के मामले में जांच अधिकारी को धमकी दे चुके हैं। जस्टिस एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष उन्होंने कहा, 'आजम खान भूमाफिया हैं। उनके खिलाफ लोगों ने निजी तौर पर शिकायतें दर्ज कराई हैं। वह आदतन अपराधी हैं। हर चीज में उन्होंने धोखाधड़ी की है।'

यूपी सरकार के वकील ने कहा कि आजम खान अदालत से अंतरिम बेल की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसकी परमिशन नहीं मिलनी चाहिए। अधिवक्ता ने कहा, 'उनके ऊपर कई ऐसे मुकदमे भी दर्ज हैं, जिनमें उम्रकैद तक की सजा का प्रावधन है। उन पर पहले से दर्ज मामलों पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि वह आदतन अपराधी और भूमाफिया हैं।' यूपी सरकार की ओर से कहा गया कि भले ही आजम खान नेता हैं, लेकिन इसके आधार पर उन पर दर्ज मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केस की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने यूपी सरकार के अधिवक्ता से कहा कि राज्य सरकार एक मामले में आजम खान को बेल और दूसरी में जेल नहीं दे सकती।

आजम खान का पक्ष रख रहे सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल दो सालों से जेल में बंद हैं। ऐसे में वह कैसे किसी के लिए भी खतरा हो सकते हैं या धमकी दे सकते हैं। फिलहाल अदालत ने दोनों ही पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद फैसले को सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले कोर्ट ने यूपी सरकार से कहा था कि वह आजम खान की बेल की मांग पर जवाब दाखिल करे। यही नहीं कोर्ट ने एक सुनवाई में आजम खान की बेल की मांग पर सुनवाई में देरी को न्याय का मजाक बताते हुए नाराजगी जाहिर की थी। बेंच ने कहा था कि आजम खान को सिर्फ एक केस को छोड़कर सभी में बेल मिल गई है। यह न्याय का मजाक है। हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते हैं।

आजम खान के वकील ने अदालत ने कहा था कि हाई कोर्ट ने बेल की अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 5 फरवरी को आजम खान की बेल पर अपना फैसला रिजर्व रख लिया था। यह एनिमी प्रॉपर्टी को कब्जाने से जुड़ा मामला था। आजम खान के खिलाफ दर्ज एक मामले में उन पर आरोप है कि उन्होंने एनिमी प्रॉपर्टी पर कब्जा जमाया है और करोड़ों रुपये के सार्वजनिक फंड का बेजा इस्तेमाल किया है। आरोप है कि विभाजन के बाद इमामुद्दीन कुरैशी पाकिस्तान चले गए थे और उनकी संपत्ति एनिमी प्रॉपर्टी के दायरे में आती थी। उस संपत्ति पर आजम खान ने कब्जा कर लिया है।

आलू प्याज एवं फल थोक विक्रेताओं ने दृढ़ संकल्प के साथ आंदोलन में हुए शामिल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्यों ने फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के आवाहन पर राज्य स्तरीय आंदोलन मैं शामिल होने के लिए सभी आलू - प्याज एवं फल थोक विक्रेताओं के साथ बड़ाहाट (हटिया परिसर) परिसर में संपर्क कर बैठक किया। आलू - प्याज एवं फल कारोबारियों ने आंदोलन में दृढ़ संकल्प के साथ एकजुटता का परिचय देते हुए आंदोलन में शामिल होने का लिया निर्णय सभी ने एक सुर में कहा कि जब तक मंडी शुल्क लिए गए निर्णय को वापस नहीं लिया जाता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा । 15 मई तक बाहर के मंडियों में जो खाद्य सामग्री लोडिंग हो चुकी है वही सामान ट्रक से उतरने दिया जाएगा। 15 मई के बाद से जो खाद्य सामग्री लोडिंग होकर आएगा उसे उतरने नहीं दिया जाएगा । सभी विक्रेताओं ने राज्य में सरकार द्वारा फिर से बाजार समिति शुल्क लगाने के प्रयास पर आपत्ति जताया विदित हो विधानसभा में पारित झारखंड राज्य कृषि उपज और पशुधन विपणन विधेयक 2022 मैं दो फीसदी बाजार समिति शुल्क लगाए जाने का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए व्यवसायियों ने टेक्स को नहीं लागू करने की मांग की है। झारखंड सरकार द्वारा राज्य में मंडी शुल्क 2 फ़ीसदी बढ़ाए जाने को लेकर व्यापारी नाराज हैं व्यापारियों ने अपनी मांगों को मनाने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है इसी के मद्देनजर 16 मई से सभी व्यापारी बाहर से माल मंगाना बंद कर दिया है जिसका सीधा असर बाजार पर पड़ेगा स्टॉक में जब तक माल उपलब्ध होगी बिक्री जारी रहेगी। चेम्बर के सचिव मनोज कुमार घोष ने कहा कि इस विधेयक से व्यवसायियों का भयादोहन होगा भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा कृषि उपज के मूल्य बढ़ेंगे, राज्य सरकार को राजस्व में भारी नुकसान होगा। तथा आम उपभोक्ता तथा किसान भी इससे प्रभावित होंगे। जो कृषि मूल्य में बढ़ोतरी हो जाएगी, इससे व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। चेम्बर के मीडिया प्रभारी रमण कुमार वर्मा ने आम जनों से खेद व्यक्त करते हुए कहाँ आंदोलन से आम जनों को असुविधा हो सकती है। लेकिन व्यवसाई सरकार के इस काले कानून के फैसले से मजबूर हो व्यवसाई आंदोलन में उतरे हैं। आप सभी का समर्थन अपेक्षित है आप सबो की असुविधा के लिए हमे खेद है। इस असुविधा के लिए इसकी सीधी जिम्मेवारी राज्य सरकार की है। मौके पर सचिव मनोज कुमार घोष, संरक्षक सियाराम घिड़िया, संजय भलोटिया,प्रवीण मेहारिया उपाध्यक्ष पवन भलोटिया , मीडिया प्रभारी रमण कुमार वर्मा, राजीव हेतमपुरीया, कन्हाई मुकिम, जीवन मुकिम, चंदन भुवानिया ,आनंद केशरी, बी के बिनोद, चंदन कुमार, मुकेश ठाकुर, प्रमोद कुमार भगत ,उमेश केसरी श्री कृष्ण गुप्ता ,मोहम्मद कलाम ,मोहम्मद यूनुस मोहम्मद शमीम ,मोहम्मद नजीर ,राकेश संतोष कुमार सिंह ,विजय कुमार साह, गणेश मंडल ,राजेश कुमार केसरी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

खरीफ के खेती के लिए खेत तैयार करने में जुट जाएं किसान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जरमुंडी प्रखंड स्थित आत्मा कार्यालय में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक समरेंद्र सिन्हा कि अध्यक्षता में कृषक मित्रों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बीटीएम ने प्रखंड क्षेत्र के किसानों को खरीफ की खेती के लिए लैंप्स के माध्यम से 50 फीसदी अनुदानित दर पर बीज प्राप्त करने के लिए निबंधन कराने को कहा। उन्होंने कहा कि जरमुंडी प्रखंड क्षेत्र के किसान अनुदानित दर पर बीज प्राप्त करने के लिए शीघ्रता से निबंधन कराएं। किसानों को यह भी सलाह दी गई कि खरीफ फसल की खेती के लिए प्रारंभिक तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि खेतों की जोताई करने से खरपतवार नष्ट होगा। भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी एवं फसलों में कीट व्याधि का भी प्रकोप कम होगा। उन्होंने बीज उपचार करने को लेकर किसानों को इसकी तकनीक की जानकारी दी। बैठक में एटीएम नंदलाल मंडल, कृषक मित्र मुकेश मिश्रा, अजय कुमार वैद्य, मंसू मरांडी, दिलीप मंडल समेत कई मौजूद थे।

जैविक तरीके से सब्जी की खेती करें किसान-बीटीएम

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जरमुंडी प्रखंड के आत्मा भवन में बीटीएम समरेंद्र सिन्हा के द्वारा किसानों को वैज्ञानिक व आधुनिक पद्धति से सब्जी उत्पादन व आर्थिक उन्नयन की बात बताई गई। उन्होंने किसानों को खेत की तैयारी, बीजोपचार, सब्जी लगाने हेतु बिचड़ा प्रबंधन विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इसके साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। किसानों को खाद एवं उर्वरक प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों को रासायनिक खाद के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए जैविक खाद का इस्तेमाल करने की बात कही। समरेंद्र ने आत्मा के द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए किसानों को इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने, खेत की मिट्टी के अनुसार फसल लगाने के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर मौजूद सहायक तकनीकी प्रबंधक नंदलाल मंडल, कृषक मित्र एवं किसान मौजूद थे।

जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ रैली का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) -सह- उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 अन्तर्गत स्वीप कार्यक्रम के तहत सदर प्रखण्ड अन्तर्गत सभी पंचायतों में प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, दुमका के नेतृत्व में जनवितरण प्रणाली दुकानदार के द्वारा लाभुकों के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । निर्वाची पदाधिकारी (ग्राम पंचायत सदस्य) -सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका की उपस्थिति में बेहराबॉक पंचायत और लखीकुण्डी पंचायत में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया । इसके अतिरिक्त जेएसएलपीएस के सखी मंडल द्वारा भी गोलपुर, मालभण्डारो, सरूवा, हरिपुर, राजबाँध, बड़तल्ली, घासीपुर, लखीकुण्डी, पारसिमला और रानीबहाल पंचायत में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । गोलपुर पंचायत के झोपा गाँव में निर्वाची पदाधिकारी (ग्राम पंचायत सदस्य) -सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका की उपस्थिति में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ एक रैली का भी आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम और रैली में सहायक निर्वाची पदाधिकारी, दीपक कुमार और जेएसएलपीएस के बीपीएम निर्मल कुमार भी उपस्थित थे।

पिकअप वैन से लूटपाट के प्रयास मामले में चार गिरफ्तार, भेजें गए जेल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के चिरूडीह से रविवार की रात पकड़े गए चार व्यक्तियों को वाहन से लूट करने के प्रयास का मामला दर्ज करते हुए मंगलवार को जेल भेज दिया गया। ज्ञात हो कि रविवार की रात ग्रामीणों ने चार व्यक्तियों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया थोहंसडीहा थाना क्षेत्र के सिंघनी गांव निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद नासिर अंसारी के बयान पर मामला दर्ज किया गया।पुलिस को दिए गए बयान में नासिर ने बताया कि वह अपने पिकअप वैन से आलू लाने पश्चिम बंगाल जा रहा था। शिकारीपाड़ा कॉलेज से आगे ब्रिजा गाड़ी में सवार लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया लेकिन उसने गाड़ी नहीं रोकी और आगे भागता गया।पुनः सिमानी जोर के पास पिकअप वैन को रोकने का प्रयास किया गया ब्रिजा गाड़ी के पीछे एक आल्टो कार भी थी, दोनों वाहनों से उसका पीछा किया जा रहा था।बताया कि ब्रीजा में बैठे एक आदमी के हाथ में हथियार था, इसलिए डर से उसने गाड़ी नहीं रोकी।दलदली के निकट जोर की आवाज हुई,देखा कि ब्रिजा गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है।लेकिन आल्टो कार ने सरसडगाल तक पीछा किया।उसके बाद वह वापस लौट गई।जब शिकारीपाड़ा थाना को घटना की सूचना मिली तो पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया तथा दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गयी। गिरफ्तार व्यक्तियों में 28 वर्षीय रिजवान अंसारी ग्राम बड़ा सरसा थाना लिट्टीपाड़ा जिला पाकुड़, मोहम्मद शमीम दुधनी दुमका, 20 वर्षीय मकबूल अंसारी ग्राम पाकदहा एवं 21 वर्षीय नजमुल अंसारी ग्राम पाकदहा थाना शिकारीपाड़ा जिला दुमका के रहने वाले हैं पुलिस ने थाना कांड संख्या 68/22 दिनांक 16 मई 2022 दर्ज कर उक्त चारों को मंगलवार को जेल भेज दिया।आल्टो चालक को गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिली।सोमवार को दिन भर पुलिस ने अन्य घटनाओं में इन लोगों की संलिप्तता का राज खुलवाने का काफी प्रयास किया।रानीश्वर थाना प्रभारी ने भी शिकारीपाड़ा आकर पकड़े गए चारों व्यक्तियों से सख्ती से पूछताछ की।पूछताछ में इन लोगों द्वारा क्या बताया गया इस संबंध में पुलिस वर्तमान समय में कुछ भी बताने से इंकार कर रही है।

एसपी महिला कालेज की छात्राओं ने किया योगाभ्यास

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। एसपी महिला कालेज में योग दिवस के मद्देनजर मंगलवार को छात्राओं ने योगाभ्यास किया। छात्राओं को योगाभ्यास स्वामी प्राणजय और योग गुरु स्वामी राम चैतन्य ने कराया। इस दौरान इन्हें प्राणायाम, मुद्रा, हलासन, श्वानासन, काक आसन, भुजंगासन समेत कई यौगिक क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। इस मौके पर राम चैतन्य ने बताया कि योग सही तरह से जीने का विज्ञान है। इसलिए इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक पहलुओं के लिए काफी लाभप्रद है। शारीरिक और मानसिक उपचार योग के सबसे अधिक ज्ञात लाभों में से एक है। योग से अस्थमा, मधुमेह, रक्तचाप, गठिया, पाचन विकार और अन्य बीमारियों को दूर करना संभव है। इस मौके पर छात्राओं के बीच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें विजेता प्रतिभागियों को कालेज की प्राचार्या डा. रीना नीलिमा लकड़ा ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर डा.अविनाश शरण, डा. हनीफ, प्रो ज्योतसना बा, प्रो.दिव्य पूजा, डा.राकेश, प्रो.प्रीती किरण हांसदा समेत कई मौजूद थे।

गाय सेड निर्माण के नाम पर भेंडर, रोजगार सेवक,पंचायत सचिव एवं मुखिया ने बगैर सामग्री की आपूर्ति किए ही निकाल ली राशि

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत संचालित मनरेगा योजनाओं में हो रही लूट रुकने का नाम नहीं ले रही है।प्रशासन भी मनरेगा योजना की राशि लूटने वाले को संरक्षण दे रहा हो।ज्ञात हो कि प्रखंड मुख्यालय अन्तर्गत शिकारीपाड़ा पंचायत के एक निशक्त व्यक्ति के नाम पर मनरेगा के तहत गाय सेड निर्माण के नाम पर भेंडर, रोजगार सेवक, पंचायत सचिव एवं मुखिया द्वारा बगैर सामग्री की आपूर्ति किए ही सामग्री मद में राशि निकालने के मामले में निशक्त के पिता द्वारा स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के 6 माह बाद भी पुलिस ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है। प्रखंड के शिकारीपाड़ा पंचायत के शिकारीपाड़ा गांव निवासी अभिषेक कुमार सिंह के नाम मनरेगा के तहत गाय सेड निर्माण के नाम पर वर्क कोड संख्या 59 7017 द्वारा बगैर कार्य एवं सामग्री आपूर्ति किए 50764 की निकासी मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवं भेडर द्वारा कर ली गई थी। इसकी जानकारी जब लाभुक के पिता को हुई तो उन्होंने प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं वीडियो से इसकी शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई, लेकिन दोनों पदाधिकारी भी मौन रहे। मजबूर शिकारीपाड़ा थाना में न्याय की गुहार लगाई तो पुलिस ने शिकारीपाड़ा थाना कांड संख्या 165/21 दिनांक 17/12/21 भादवि की धारा 409 एवं 420 के तहत मुखिया, पंचायत सचिव ,रोजगार सेवक एवं भेडर के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया था, लेकिन उसमें आज तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गईइस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि मामले में पुलिस अधीक्षक दुमका द्वारा भेडर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की गिरफ्तारी का आदेश दिया गया है। बताया कि मुखिया,पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक के विरुद्ध सघन जांच चल रही है,जल्द ही कार्रवाई होगी।

पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धूमिल हो रही पहचान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। आदिवासी समुदाय का वाद्य यंत्रों से गहरा रिश्ता है। मनोरंजन, उत्सव व सुरक्षा के लिए आदिवासी समुदाय के लोग वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन समय के साथ आदिवासी समाज में प्रचलित कई वाद्य यंत्र तेजी से लुप्त होते जा रहे हैं। काठीकुंड प्रखंड के सरुवापानी के बुधराय हांसदा बताते हैं कि आदिवासी समुदाय में सिंगा वाद्ययंत्र लड़का के तिलक के समय प्रयोग में लाया जाता है लेकिन धीरे-धीरे यह परंपरा मंद पड़ रही है। बुधराय ने कहा कि वह अपने समय में सिंगा 200 रुपये में खरीदे थे। तब से इस वाद्ययंत्र को बजाते आ रहे हैं। बानाम सारंगी जाति का लोक वाद्ययंत्र है जबकि भुआंग आदिवासी समाज में त्योहारों पर विशेष रूप से बजाए जाने वाला महत्वपूर्ण वाद्ययंत्र हैं। यह मुख्य रूप से दशहरा के समय बजाया जाता है। यह धनुष की आकृति का होता है। सखवा भैंस की सिंघ का बना होता है। संताल समाज का छोटा नरसिंघा है। यह 15 इंच से लेकर दो फुट लंबा होता है। छोटा भुईभंगा के ग्राम प्रधान लीलू टुडू, मिसिल मरांडी समेत कई ग्रामीणों का कहना है कि नई पीढ़ी को इस परंपरा से अवगत कराने व जोड़ने की जरूरत है। अगर शीघ्र ही ऐसा नहीं किया गया तो संभव है कि पारंपरिक वाद्य यंत्रों को लोग भूल ही जाएंगे।

भव्य कलश यात्रा के साथ शतचंडी महायज्ञ अनुष्ठान प्रारंभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पुराना दुमका काली नगर में मंगलवार से पूरे विधि-विधान के साथ श्री श्री 108 शतचंडी महायज्ञ की शुरूआत हुई। इस मौके पर वृंदावन से आए आचार्य अंजली गोस्वामी की अगुआई में कन्याओं ने भव्य कलश यात्रा निकाल कर नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा यज्ञ स्थल पुराना दुमका काली नगर से प्रारंभ होकर बाबू वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए शिव मंदिर चौक पहुंची और यहां स्थित तालाब से कलश में जल भर कर कन्याएं यज्ञ स्थल पहुंचीं। कलश यात्रा में 251 कन्याएं शामिल थीं। इस अनुष्ठान के सफल आयोजन के लिए श्रवण पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, विजय कुमार, रविंद्र बास्की, कंचन यादव, चंदन वर्मा समेत कई अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कोयला माफिया कलीमुद्दीन अंसारी गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । जिले में अवैध कोयला खनन और उसके काले कारोबार का मास्टरमाइंड कलीमुद्दीन अंसारी उर्फ कलीम मियां को दुमका पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है. हाल के दिनों में कलीमुद्दीन का नाम तेजी से फैला है. वह अवेध कोयला कारोबार के साथ ओवर लोड गिट्टी गाड़ी की पासिंग भी कराता था. विगत दो-तीन वर्षों से वह पासिंग के साथ अवेध कोयला के कारोबार में काफी सक्रिय था. खासतौर पर शिकारीपाड़ा इलाके की अवैध खदानों और सुरंगों से वह कोयला उत्खनन कराता था.कुछ दिन पहले वन विभाग की ओर से डीएफओ अभिरूप सिन्हा ने उपायुक्त को पत्र लिखा था, जिसमें 7 लोगों को जिला बदर करने की अनुशंसा की गई थी. लिस्ट में कलीमुद्दीन का नाम सबसे ऊपर था. डीएफओ ने कहा था कि शिकारीपाड़ा के वन क्षेत्र में लगातार अवैध कोयला उत्खनन में कलीमुद्दीन के शामिल होने का मामला सामने आ रहा है. उस पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत है.दुमका एसपी अम्बर लकड़ा ने मामले का खुलासा करते हुए कहा कि अवैध कोयला कारोबार और उत्खनन मामले में कलीमुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया है. दुमका शिकारीपाड़ा प्रखंड के बादलपाड़ा हरसिंघा, पंचवाहिनी सहित कई क्षेत्रों में अवैध कोयला का उत्खनन जोरों से चल रहा है. जिला प्रशासन की ओर से टास्क फोर्स का गठन कर कई बार अवैध खदानों की डोजरिंग भी कराई गई. बावजूद अवैध कोयला रुक नहीं रहा. पुलिस ने कलामुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया. अन्य सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. कलीमुद्दीन के पकड़े जाने के बाद कई और नाम अभी सामने आएंगे. अवेध कोयला के कारोबार में जेसीबी मशीन, ट्रक और हाइवा का इस्तेमाल हो रहा था।

बिहार के भाजपा सांसद ने लगाई बाबा दरबार में हाजिरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि दिन मंगलवार को बिहार के पश्चिमी चंपारण से सांसद सह भाजपा नेता डा.संजय जायसवाल ने स्वजनों के साथ बाबा बासुकीनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। सांसद एवं उनके स्वजनों को उनके खानदानी पुरोहित पंडित मणिकांत झा मन्नो बाबा, मुकेश झा, संजय झा, कारू बाबा, उमा बाबा, मनोज मिश्रा, चुनमुन बाबा सहित ग्यारह सदस्यीय पंडितों के दल ने विधि विधानपूर्वक बाबा बासुकीनाथ, माता पार्वती, माता काली, शत्रु संहारिणी बंगलामुखी माता की पूजा-अर्चना कराई। पूजन के उपरांत पुरोहितों ने मंदिर परिसर में वैदिक आरती भी कराई। उन्होंने भोलेनाथ से देश की उन्नति की कामना की। सांसद ने बासुकीनाथ मंदिर में पूजन व्यवस्था व विधि व्यवस्था की सराहना की, साथ ही कहा कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने देवघर दुमका सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर कहा कि राज्य सरकार को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आने वाले श्रावणी व भादो मेला में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु बासुकीनाथ पहुंचेंगे। भोलेनाथ के पूजन उपरांत सांसद अपने स्वजनों के साथ देवघर के लिए प्रस्थान कर गए। इस मौके पर जरमुंडी थाना के पुलिस निरीक्षक दयानंद शाह, एएसआइ योगेंद्र शर्मा, मुंशी कुंदन कुमार, देवघर से आये हरिकिशोर सिंह, श्रीराम, पंकज भदोरिया, संदीप कुमार एवं अन्य मौजूद थे।

एसपी ने अनुशासन हीनता के आरोप में लाइन हाजिर करते हुए की विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा

- अवैध खनन को लेकर जिला के सात लोगों को किया जा चुका है जिला बदर

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। एसपी अंबर लकड़ा ने अवैध खनन को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए शिकारीपाड़ा के थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह को लाइन हाजिर करते हुए विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 6 महिने से अवैध खनन को लेकर थाना प्रभारी के विरुद्ध एस पी को कई शिकायते मिली थी। इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी शिकारीपाड़ा एवं जिला खनन पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से फरवरी माह में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को थाना प्रभारी के कार्यप्रणाली को संदेहास्पद बताते हुए उचित कार्रवाई की अनुशंसा की थी।जानकारी के अनुसार शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी द्वारा अवैध खनन से संबंधित मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही थी।मामले में एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी ने एस पी को अवगत कराते हुए विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की थी।बताते चलें कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन को लेकर जिला के सात लोगों को जिला बदर भी किया गया है।

प्रथम चरण का मतदान की मतगणना शुरू, मतदान दो दिन चलेगी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ ।प्रथम चरण में हुए मतदान की मतगणना ससमय शुरू किया गया. मतगणना का कार्य 17 मई और 18 मई दो दिन चलेगी. पहले दिन में दादपुर, कालिदासपुर, जमशेरपुर, मदनमोहनपुर, मनिकापाड़ा, ईलामी, रामचन्द्रपुर, कुमारपुर, नरोत्तमपुर, संग्रामपुर, सोनाजोड़ी, शहरकोल, ईशाकपुर उर्फ रणडांगा, तारानगर, रहसपुर, जयकिष्टोपुर उर्फ नारायणखोर,. मनिरामपुर, रघुनन्दनपुर उर्फ चांचकी पंचायत का जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त वरुण रंजन, उप विकास आयुक्त शाहिद अख्तर, सामान्य प्रेक्षक, इंद्रदेव मंडल के देखरेख में मतगणना किया गया।
पाकुड़ प्रखंड की मतगणना हेतु 25 टेबल लगाया गया है साथ ही पर्याप्त संख्या में मतगणना कर्मियों को किया गया है. प्रथम चरण (पाकुड़) का वज्रगृह/मतगणना केंद्र पाकुड़ पॉलिटेक्निक कॉलेज में बनाया गया है.
मतगणना के बाद कुल 1372 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा. त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव 2022 के तहत 14 मई को प्रथम चरण पाकुड़ प्रखंड में हुए मतदान की मतगणना आज 17 मई को जिले के पाकुड़ पोल्टेकनीक कॉलेज में ससमय शुरू कर दिया गया है। मतगणना पाकुड़ प्र-खंड का किया जा रहा है, जहाँ प्रथम चरण का मतदान हुआ था।। मतगणना को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह चौकस है। गेट के भीतर बिना पास के अंदर घुसने नहीं दिया जा रहा है। गेट पर पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही अग्निशमन वाहन और मेडिकल टीम के साथ एम्बुलेंस भी मौजूद है। मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं के प्रवेश के लिए अलग-अलग प्रवेश व निकासी द्वार बनाया गया है।
पाकुड़ प्रखंड की मतगणना हेतु 25 टेबल लगाया गया है-
जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त वरुण रंजन घूम घूम कर प्रति टेबल मतगणना के कार्यों को देख रहे हैं तथा संबंधित मतगणना कर्मी को आवशयक दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोमिया प्रखंड की मतगणना हेतु 25 टेबल लगाया है साथ ही इसके लिए पयाप्त संख्या में मतगणना कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। मतगणना सुचारू रूप से चल रही है। मतगणना हेतु दोनो प्रखंडों की शुरुआत बूथ नंबर 1 से शुरू की गई है।

● 1372 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा

पाकुड़ प्रखंडों में कुल चार पदों (जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया एवं वार्ड सदस्य पद) 1372 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। मंगलवार को मतपेटी में बंद मतपत्रों की गणना व परिणाम आने के साथ ही इनके किस्मत का फैसला हो जाएगा। कुल प्रत्याशियों में वार्ड सदस्य पद के लिए 1036 मुखिया पद के लिए, 149, पंचायत सदस्य समिति के लिए 150, एवं जिला परिषद सदस्य पद के लिए 37 प्रत्याशी हैं। उप विकास आयुक्त, शाहिद अख्तर, सामान्य प्रेक्षक, इंद्रदेव मंडल, अनुमंडल पदाधिकारी, हरिवंश पंडित एवं अन्य उपस्थित है।

संक्षिप्त समाचार

मुखिया प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क

हजारीबाग/ (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। दारू प्रखंड अंतर्गत दारू पंचायत मुखिया प्रत्याशी सुनील कुमार उर्फ भोला ने पंचायत क्षेत्र के जबरा पांडे टोला, मुस्लिम टोला, बख्शीडीह में चुनाव जनसंपर्क किया। जिसमें प्रत्याशी सुनील कुमार ने बताया कि चुनाव जीतने के बाद पंचायत की जल संकट, वृद्धापेशन ,विधवा पेंशन, आवास योजना, दाखिल खारिज, मनरेगा सहित अन्य कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर शिकंजा कसा जाएगा। वहीं आम जनता के हित के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आम लोगों ने आश्वासन दिया,कि मैं सुनील कुमार उर्फ भोला को मतदान कर भारी मतों से विजयी बनाएंगे।

पीसीसी सड़क निर्माण कार्य पुनः चालू, भाजपा ने अनियमितता को ले कराया था बंद

निरसा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। मुगमा मोड़ से स्टेशन रोड होते हुए रेलवे फाटक तक करीब एक माह से बंद पीसीसी सड़क निर्माण कार्य पुनः चालू हो गया। 20 फरवरी को सांसद पी एन सिंह एवं विधायक अपर्णा सेन गुप्ता ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया था। 19 अप्रैल को अनियमितता का आरोप लगाते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत मोदी के नेतृत्व में काम बंद कर दिया गया था। लोकल सीमेंट, मोटा बालू के इस्तेमाल करने, कलवर्ट नहीं बनाने आदि का आरोप लगाया गया था। बाद में विधायक के आवास पर संवेदक के साथ बैठक हुई। प्राक्कलन से संबंधित पेपर्स दिखाया गया। प्राक्कलन के अनुसार काम करने का भरोसा दिलाया। सड़क निर्माण के दौरान तीन कल्वर्ट भी बनाने की बात कही। जो पहले संवेदक बनाने से इनकार कर रहा था।

वैशाख पूर्णिमा में विराट गायत्री दीप महायज्ञ का आयोजन

डुमरी। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। वैशाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर बीती रात जामतारा वनांचल चौक के पास स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में विराट गायत्री दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के दर्जनों धर्म प्रेमी शामिल हुए।मौके पर 251 दीप का प्रज्ज्वलन किया गया। गायत्री परिवार गिरिडीह से आए परिवार के सदस्यों द्वारा सनातन धर्म एवं उसके रक्षार्थ अपने विचार व्यक्त किए।वहीं श्रद्धालुओं से सदविचार को अपनाने एवं दूसरों की भलाई करने की अपील की।इस दौरान गायत्री परिवार द्वारा भविष्य के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। जिसमे गायत्री परिवार के सदस्य काशी साव, प्रेमा देवी, वीणा देवी, बुटु गोप, मान सिंह, अनिल जायसवाल, प्रदीप कुमार जायसवाल, अनिल बरनवाल, रामानंद मिस्त्री, अरविंद शर्मा आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहे।
कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद वितरण किया गया।

बड़कागांव में 90 प्रत्याशियों को निर्विरोध वार्ड सदस्य चुने जाने का प्रमाण पत्र दिया गया

बड़कागांव/ (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। ग्राम पंचायत चोपदार बलिया वार्ड 14 से पूर्व वार्ड सदस्य संजर हुसैन की पत्नी शाहीन परवीन निर्विरोध वार्ड सदस्य निर्वाचित हुवे। निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी के हाथों प्रमाण पत्र दिया गया । मौके पर वार्ड सदस्य शाहीन परवीन ने चौपदार बलिया पंचायत के सभी जनता को आभार प्रकट किया। मौके पर नागेश्वर यादव, लालचंद यादव , महेश यादव ,मोहम्मद तसलीम सरवर हुसैन, धनु यादव, मोहम्मद ईनाम एवम अन्य लोगों ने खुशी जाहिर कर बधाई दी है। बताते चलें कि प्रखंड में लगभग 100 वार्ड सदस्य प्रत्याशी वार्ड सदस्य पद के लिए निर्विरोध चुने गए। जिसमें लगभग 90 लोगों को निर्विरोध चुनाव जीतने का निर्वाचि पदाधिकारी सह बीडियो जितेंद्र कुमार पांडे, रवि रंजन, भास्कर राज की उपस्थिति में प्रमाण पत्र दिया गया।

पहले चरण के मतगणना में तीन मुखिया और तीन पंचायत समिति सदस्य ने जीत दर्ज किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । प्रथम चरण में हुए मतदान की मतगणना ससमय शुरू किया गया. जिले के दादपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य पद क्षेत्र संख्या से पूजा कुमारी 76 से जीता. पूजा कुमारी को 1475 वोट मिला और प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी भादू देवी को 1399 वोट प्राप्त हुआ. वही दादपुर पंचायत के मुखिया पद बड़की हेंब्रम ने जीत दर्ज किया. विजयी प्रत्याशी को 1144 वोट प्राप्त हुआ वही प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी रीना मुर्मू को 773 वोट प्राप्त हुआ. 371 वोट से बड़की हेंब्रम ने जीत हासिल किया. जिले के कालिदासपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य पद क्षेत्र संख्या 2 से पंचायत समिति सदस्य पद सोनी सोरेन ने 51 वोट से प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी बसंती हेंब्रम को हरा कर जीत दर्ज किया. पाकुड़ प्रखंड जमशेरपुर पंचायत के मुखिया पद देवी मरांडी ने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी सोनी सोरेन को 1180 वोट से हरा कर जीत दर्ज की. सदर प्रखंड के मदनमोहनपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य पद के प्रत्याशी अल्बीना हेंब्रम ने मिसु किस्कु को 115 वोट से हराया. विजयी प्रत्याशी को प्राप्त मत 1618 और प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी को प्राप्त मत 1467 मिला है. मदनमोहनपुर पंचायत के मुखिया पद के प्रत्याशी बबलू किस्कु ने अपने प्रतिद्वंद्वी बाबूचांद मुर्मु को हराया.विजयी प्रत्याशी को प्राप्त मत 1530 और प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी को प्राप्त मत 860 मिला.

मतदान कर्मियों की सुविधा हेतु जिला प्रशासन द्वारा बस की व्यवस्था की गई है

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । 18 मई पाकुड़िया मुख्यालय से सुबह 5:00 बजे पूर्वाहन में चार बस की व्यवस्था की गई है।महेशपुर प्रखंड मुख्यालय से 5:30 बजे पूर्वाहन दो बस की व्यवस्था की गई है। अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय से 5:30 बजे पूर्वाहन एक बस की व्यवस्था की गई। लिट्टीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय से 6:00 बजे पूर्वाहन एक बस की व्यवस्था की गई है। लिट्टीपाड़ा से आने वाली बस ही हिरणपुर प्र-खंड मुख्यालय के मतदान कर्मियों को 6:30 बजे लेकर आएगी। ये बसे मतदान कर्मियों को लेकर बाजार समिति स्थित डिस्पैच सेंटर तक लाया जाएगा। मतदान समाप्ति के बाद 19 मई को शाम में पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम से पुनः उनके प्रखंड मुख्यालय तक बस द्वारा पहुंचाया जाएगा। 19 मई को शाम 4:00 बजे अपराहन से पॉलिटेक्निक कॉलेज से अंबेडकर चौक तक मतदान कर्मियों को छोड़ने के लिए फेरी लगाएगा। मोटरसाइकिल एवं निजी वाहन से आने वाले मतदान कर्मियों के सुविधा हेतु बाजार समिति स्थित वाहन कोषांग में एक पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जहां मतदान कर्मी अपना गाड़ी लगाकर मतदान कार्य हेतु जा सकेंगे और लौटने के बाद अपनी गाड़ी ले जाएंगे। इस पार्किंग में फ्री पार्किंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मारपीट मामले में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण बेगमगंज पंचायत में एक व्यक्ति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है.मामले को लेकर जब्बार शेख ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया है.जिसमें बताया है कि बीते 28 अप्रैल को शाम में अपने घर से कुछ समान खरीदने के लिए फुटानी बाजार गया हुआ था.साथ ही आरोप लगाया कि दक्षिण बेगमगंज पंचायत के मोकाउर शेख,मालिक शेख तथा सेनाउल शेख एकजुट होकर हथियार से लैस होकर उनको घेर लिया.साथ ही आरोप लगाया कि उनलोग एकजुट होकर मारपीट करने लगा तथा गले से डेढ़ भरी सोना का माला छीन लिया.मारपीट की घटना उक्त व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया. मामले को लेकर राधानगर पुलिस ने पीड़ित के बयान पर थाना कांड संख्या 111/22 भादवि की धारा 341, 323, 324, 379, 504, 34 के तहत मोक-ाउर शेख समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

आलू लदे ट्रक लुट कांड मामले का आरोपी राहुल राय गिरफ्तार

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । पुलिस अधीक्षक अम्बर लकड़ा के तत्परता से दुमका सिउड़ी मुख्य पथ के आलू लदे ट्रक लूट कांड की घटना की 9 दिन के अंदर उद्भेदन कर लिया हैं ।स्थानीय पुलिस ने सोमबार को पाकुड़ से एक अपराधी राहुल राय को गिरफ्तार कर लिया हैं ।साथ ही लूट पाट में प्रयुक्त एक बाहन को जप्त कर थाना लाया हैं ।पुलिस निरीक्षक वकार हुसैन एवं थाना प्रभारी संजय कुमार ने मंगलवार प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दिया हैं ।
रानीश्वर थाना क्षेत्र के गुलामडी के पास 8 मई 2022 रात्रि 2 बजे पश्चिम बंगाल से आते हुए एक माल वाहक गाड़ी को कुछ अपराधियों ने ओवरटेक कर रोका और उसपर से ड्राईवर और खलासी को निकाल कर अपराधियों के गाड़ी ब्रीजो में बैठाकर मसानजोर तक ले गया इसके बाद सुनसान जगह पर दोनों को उतार दिया गया और लुटेरों ने पिकअप गाड़ी लेकर फरार करने में कामयाब हो गया 08/05/2022 को । लेकिन दुमका पुलिस अधीक्षक अम्बर लकड़ा को सुचना मिलते ही साइट का गठन कर छानबीन में लगे थे । और आज दुमका पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी , रानीश्वर थाना का कांड संख्या 23/22 है । भवेश कुमार राय जिसे रानीश्वर थाना ने पक-ड़ा है ।
सभी अपराधियों पहले से ही डकैती कांड से संलिप्तता थे अभी भी 3अपराधी फरार है । पुलिस छानबीन में लगे हैं । इन्स्पेक्टर वाकर हुसैन और रानीश्वर थाना प्रभारी संजय कुमार और अस्सिटेंट सब इंस्पेक्टर ड्रैगन कुमार ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दिया ।

सदर अस्पताल की प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ पिंकी पाल को मिला सम्मान

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

बोकारो। वेस्ट बंगाल के एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी प्थाल्मोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया की ओर से कोलकाता मेडिकल कॉलेज में अखिल भारतीय सामुदायिक नेत्र विज्ञान समारोह आयोजित कर बोकारो जिले के प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ पिंकी पाल को कृष्णनेंदु सरकार मेमोरियल वेस्ट बंगाल अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। उन्हें प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र प्रदान किया गया। समारोह में देश के विभिन्न प्रदेशों से कई प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक शामिल हुए। कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर काम करनेवाले डॉक्टरों को प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र देक-र सम्मानित किया गया। इनमें से बोकारो जिला सदर अस्पताल की नेत्र चिकित्सक डॉ पिंकी पाल को झारखंड के लोगों के लिए निस्वार्थ, ईमानदार और समर्पित सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की पहचान में प्रतिभा दिखाई है। इसी के आलोक में डॉ पाल को दिवंगत प्रो कृष्णनेंदु सरकार मेमोरियल वेस्ट बंगाल अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया। वहीं इस सम्मान को पाने के बाद डॉ पाल ने कहा कि अपने जीवन काल में लोगों की निश्वार्थ सेवा करना ही हमारा लक्ष्य और उद्देशय है।

पूर्व कर्मी, सिविल वर्कर एवं वेंडरों के द्वारा बकाया भुगतान करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । अमड़ापाड़ा स्थित पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक के पूर्व कर्मी, सिविल वर्कर एवं वेंडरों ने प्रखंड मुख्यालय स्थित अमीरजोला डीबीएल कार्यालय के पास बकाया राशि की भुगतान करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया. पूर्व कर्मी एवं सिविल वर्करों ने कहा कि डीबीएल कंपनी पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्ला-ॅक के कोयला खदान में उत्खनन का कार्य करेगी. उत्खनन कार्य करने से पहले यहां के पूर्व कर्मियों को 7 साल का बकाया राशि का भुगतान करेगी. साथ ही यहां के ट्रांसपोर्टर और सीविल वर्करों को भी कंपनी जब तक हमारी बकाया राशि का भुगतान नहीं करती है तब तक सभी कार्य बाधित रहेंगे. धरना प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने बताया कि पीएसपीसीएल के आवंटित कंपनी डीबीएल कंपनी को यहां उत्खनन सहित परिवहन का काम करेगी. पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने हम लोगों को बार बार कई बार बैठक कर आश्वासन दिया है कि जल्द ही आप लोगों का भुगतान कर दिया जाएगा. लेकिन अभी तक भुगतान नहीं किया है. और डीबीएल कंपनी सारे नियमों को ताक पर रखकर कल यानी सोमवार को कोयला उत्खनन क्षेत्र पहुंचकर माइनिंग का काम कर रही थी इसकी विरोध ग्रामीणों ने किया था. वही उपस्थित डीबीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर सब्यसाची मिश्रा ने विरोध कर रहे कर्मियों को कहा की आप सभी की जायज मांग को पीएसपीसीएल के अधिकारी को अवगत कराया जायेगा और पीएसपीसीएल के अधिकारी आपलोगों के साथ जल्द ही बैठक कर आपकी समस्या का समाधान किया जायेगा. मौके पर डीबीएल में लाईजिनिंग अफसर गौतम सामंतों, देवेद्र झा, सिविल वर्कर बबलू भगत, मंटू भगत, मनोज भगत, मो राजा, संतोष भगत, सरोज मंडल, दीपंकर भगत, पूर्व कर्मी उदय पांडेय, राजीव कुमार, शंकर ओझा, मो जाबिर सहित अन्य मौजूद थे.

धमकी देने वाली डीलर संचालिका ने पत्रकार से मांगी माफी

आपूर्ति पदाधिकारी ने भी डीलर को लगाई कड़ी फटकार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा। जामताड़ा जिला अंतर्गत कुंडहित प्रखंड क्षेत्र के विक्रमपुर स्थित मां मनसा डीलर की संचालिका नजबुन बीवी ने पत्रकार निजाम खान से लिखित रूप से माफी मांगी है।साथ ही बड़ा आकना तथा काठीजोड़िया के ग्राहकों से भी माफी मांगी है।कहा कि दोबारा ऐसा नहीं होगा। कभी किसी को धमकी भी नहीं दूंगी` किसी भी पत्रकारों के साथ गलत व्यवहार नहीं करूंगी वही पत्रकार ने मौखिक रूप से मानवता का परिचय देते हुए कहा कि नहीं आप हमसे उम्र में बड़ी है, इसलिए आप हम से माफी नहीं मांगे बल्कि आप अपने कार्यशैली में सिर्फ सुधार लाएं तथा ग्राहकों से अच्छी व्यवहार व बर्ताव करें। आपको बता दें डीलर संचालिका ग्राहकों का जबरन 1 किग्रा चावल काट रही थी।तभी उनसे उनका पक्ष जानने के लिए पत्रकार डीलर संचालिका के पास गया था।तब डीलर संचालिका ने पत्रकार को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।वही इस संबंध में कुंडहित के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी जॉन मरांडी ने डीलर संचालिका नजबुन बीवी को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसा आपका रिपोर्ट दोबारा प्राप्त होता है तो आप पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा,अपने कार्यशैली व व्यवहार में सुधार लाएं, लोगों के साथ अच्छा बर्ताव करें। कहा पत्रकारों के साथ भी अच्छा बर्ताव रखें।पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। समाज के लिए वह आईना है। कहा कि प्रखंड क्षेत्र का कोई भी डीलर अगर लापरवाही करता है तो उस पर निश्चित रूप से कार्यवाही की जाएगी। किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ईट से लदा ट्रक पलटा, दो घायल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के दुमका-रामपुरहाट मुख्य पथ पर गुजीसिमल चर्च के समीप मंगलवार को चिमनी ईट से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रक पर सवार दो मजदूर घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कालेज व अस्पताल में भेजा गया है। ट्रक पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट से दुमका की ओर से जा रहा था।

मोहनपुर ने पुराने को नकारा,मुखिया पद पर 3 में से 2 नए चेहरे

- बिचगढा पंचायत से सर्वाधिक 956 मतों के अंतर से सुलेखा को मिली जीत
- कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पंचायत चुनाव का परिणाम घोषित

मोहनपुर। भारी सुरक्षा के बीच आज मंगलवार को देवघर कॉलेज में प्रथम चरण के चुनाव की मतगणना शुरू हुई। इस बार मतदाताओं ने पंचायत में पुराने चेहरे को नकारते हुए नए चेहरे को मुखिया पद पर काबिज किया। जबकि जिला परिषद पद पर भी नए चेहरों को जनता ने मौका दिया। वही मुखिया पद के लिए महज एक ही पंचायत में पुराने प्रत्याशी दोबारा जीत कर आए।

इससे पूर्व सुबह 7 बजे से ही मतगणना केंद्र देवघर कॉलेज परिसर में प्रत्याशी व उनके मतगणना एजेंट का आना आरंभ हो गया था। इसके बाद बाहरी परिसर भी लोगों की भीड़ से पटा पड़ा था।साथ ही भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी।सुबह 8बजे से मतगणना का कार्य प्रत्येक पद के लिए बनाए गए 14 टेबल पर आरंभ कराया गया। जहां 10 बजते बजते रिजल्ट भी आना आरंभ हो गया। सबसे पहले बारा पंचायत परिणाम आना शुरू हो गया।

पूर्व में रह चुके मुखिया विष्णु महतो अपनी सीट बचाने में कायम हुए। दूसरा रिजल्ट रढिया पंचायत से मुकेश यादव पहली बार चुनाव जीतकर पंचायत की कमान संभाल ली।

तीसरे काउंटिंग में बिचगढा पंचायत से सुलेखा देवी भारी मतों के अंतर से 956 वोट से बड़ी जीत दर्ज की। पंचायत समिति सदस्य कविता देवी अपनी कुर्सी बचाने में कायम रही।इस बार वार्ड सदस्य मे रविंदर यादव नए चेहरे को जनता ने मौका दिया।वही बंका पंचायत का समाचार लिखे जाने तक मतगणना चारी था।

पुलिस अधीक्षक ने अनुशासन हीनता के आरोप में लाइन हाजिर करते हुए की विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा

- अवैध खनन को लेकर जिला के सात लोगों को किया जा चुका है जिला बदर

दुमका। पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा ने अवैध खनन को लेकर आज बड़ी कार्रवाई करते हुए शिकारीपाड़ा के थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह को लाइन हाजिर करते हुए विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले छह महिने से अवैध खनन को लेकर थाना प्रभारी के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक को कई शिकायते मिली थी इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी शिकारीपाड़ा एवं जिला खनन पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से फरवरी माह में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को थाना प्रभारी के कार्यप्रणाली को संदेहास्पद बताते हुए उचित कार्रवाई की अनुशंसा की थी।जानकारी के अनुसार शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी द्वारा अवैध खनन से संबंधित मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही थी।मामले में एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी ने पुलिस अधीक्षक को अवगत कराते हुए विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की थी।बताते चलें कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन को लेकर जिला के सात लोगों को जिला बदर भी किया गया है

वनपाल रघुनाथ देहरी ने हीरापुर चित्रा कुंडी वन क्षेत्र से कोयला के अवैध उत्खनन मामले में दर्ज कराई है प्राथमिकी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

शिकारीपाड़ा(दुमका) । शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र के वनपाल रघुनाथ देहरी ने मंगलवार को शिकारीपाड़ा थाना में हीरापुर चित्रा कुंडी वन क्षेत्र में कोयला का अवैध खनन करने को लेकर कलीमुद्दीन अंसारी सहित सात व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है । वनपाल रघुनाथ देहरी के अनुसार हीरापुर चित्रा कुंडी वन क्षेत्र में कोयला के अवैध उत्खनन को लेकर पूर्व में भी मामला दर्ज कराएं जाने के बावजूद कलीमुद्दीन अंसारी, बगन हेम्ब्रम, बबय हेंब्रोम,रुपाय मरांडी, ढेना सोरेन, बबलू सोरेन एवं संजय मंडल द्वारा उपरोक्त मौजा में वर्तमान समय में भी कोयले का अवैध उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा थोजांच के क्रम में स्थल से दो पीस नियोजन विस्फोटक भी बरामद किया गया था। वनपाल के बयान पर शिकारीपाड़ा पुलिस ने थाना कांड संख्या 69/22 दिनांक 17 मई 2022 भा द वि की धारा 379 411 एवं 34 एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम4/5 तथा खान एवं खनिज अधिनियम की सुसंगत धाराओं के साथ-साथ वन अधिनियम एवं खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधानकर्ता अवर निरीक्षक अभिनव कुमार सिंह को बनाया है।

वीरेंद्र मंडल ने अनियमित बिजली आपूर्ति को लेकर कुंडहित में प्रेस बयान जारी कर कहा भाजपा करेगी उग्र आंदोलन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

कुंडहित/जामताड़ा। कुंडहित प्रखंड क्षेत्र भ्रमण के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य सह जामताड़ा के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष वीरेंद्र मंडल ने स्थानीय भाजपा नेता राजू राय के आवास में एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि फतेहपुर नाला कुंडहित किसी भी जगह पर पर्याप्त मात्रा में बिजली नहीं मिल रहा है। वही मात्र 24 घंटा में 5 घंटा बिजली विभाग बिजली मुहैया करा रहा है। कुंडहित शहरी क्षेत्र में जो उपभोक्ता है वह लोग शहरी क्षेत्र का बिल भुगतान करते है शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं का सेपरेट फिडर भी बना हुआ है। सेपरेट फिडर एक स्विच के चलते आज तक चालू नहीं किया गया। कहा कि इस एरिया को सुचारू रूप से बिजली मिले इसलिए धेनुकडीह में सब स्टेशन बनाया गया है सबस्टेशन बनाते समय इतने घटिया किस्म का सामग्री उपयोग किया गया है तथा काम इतना घटिया हुआ है कि आए दिन ब्रेकडाउन हो जा रहा है सब स्टेशन तथा 33 केवीए लाइन को मरम्मत करने के नाम पर लगातार बिजली काट दी जा रही है यह सिर्फ खानापूर्ति हो रहा है। इससे स्पष्ट हो रहा है कि बिजली विभाग सिर्फ खानापूर्ति के लिए काम कर रही है। धेनुकडीह मोड में जो सब स्टेशन बना है बराबर ब्रेक डाउन हो रहा है जिससे उपभोक्ता काफी परेशान है विभाग अबिलंब ध्यान दें स्थाई समाधान के तौर पर बिजली विभाग सब स्टेशन पर काम कराएं। मौके पर भाजपा नेता राजू राय सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आलु लदे ट्रक लुट कांड का आरोपी राहुल राय गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

रानीश्वर(दुमका) । पुलिस अधीक्षक अम्बर लकड़ा के तत्परता से दुमका सिउड़ी मुख्य पथ के आलू लदे ट्रक लूट कांड की घटना की 9 दिन के अंदर उद्भेदन कर लिया हैं ।स्थानीय पुलिस ने सोमबार को पाकुड़ से एक अपराधी राहुल राय को गिरफ्तार कर लिया हैं ।साथ ही लूट पाट में प्रयुक्त एक बाहन को जप्त कर थाना लाया हैं ।पुलिस निरीक्षक वकार हुसैन एवं थाना प्रभारी संजय कुमार ने मंगलवार प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दिया हैं । रानीश्वर थाना क्षेत्र के गुलामडी के पास 8 मई 2022 रात्रि 2 बजे पश्चिम बंगाल से आते हुए एक माल वाहक गाड़ी को कुछ अपराधियों ने ओवरटेक कर रोका और उसपर से ड्राईवर और खलासी को निकाल कर अपराधियों के गाड़ी ब्रीजो में बैठाकर मसानजोर तक ले गया इसके बाद सुनसान जगह पर दोनों को उतार दिया गया और लुटेरों ने पिकअप गाड़ी लेकर फरार करने में कामयाब हो गया 08/05/2022 को ।लेकिन दुमका पुलिस अधीक्षक अम्बर लकड़ा को सुचना मिलते ही साइट का गठन कर छानबीन में लगे थे । और आज दुमका पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी , रानीश्वर थाना का कांड संख्या 23/22 है । भवेश कुमार राय जिसे रानीश्वर थाना ने पकड़ा है । सभी अपराधियों पहले से ही डकैती कांड से संलिप्तता थे अभी भी 3अपराधी फरार है । पुलिस छानबीन में लगे हैं । आज प्रेस मीट इन्स्पेक्टर वाकर हुसैन और रानीश्वर थाना प्रभारी संजय कुमार ,और अस्सिटेंट सब इंस्पेक्टर ड्रैगन कुमार ,ने किया हैं ।

जिला अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमा को रद्द करने हेतु कार्यकर्ताओं ने डीसी व एसपी को दिया ज्ञापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा। भाजपा जिला अध्यक्ष सोमनाथ सिंह ने कहा विगत 6 मई 2022 सवेरे 8:30 बजे के लगभग जामताड़ा जिले के मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर शाह नवाज के द्वारा जामताड़ा पुराने कोर्ट के करीब मोटर वाहन जांच लगाई थी और उस जांच के दौरान कुछ परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए जा रहे थे। भाजपा जिला अध्यक्ष सोमनाथ सिंह का कहना है कि छात्रों को कान पकड़ कर उठक बैठक करवाया जा रहा था। जिससे पब्लिक के बीच एक आक्रोश का माहौल बन रहा था।भाजपा जिला अध्यक्ष सिंह ने कहा कि वह काम से नया कोर्ट जा रहे थे कहा एक सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते जनता के विरोध के माहौल को संभालने के लिए सरकारी अधिकारी और जनता के बीच बातचीत का एक सेतु बनाने का प्रयास किया था कि प्रशासनिक काम भी ढंग से हो और जनता में रोष भी ना रहे। परंतु जनहित कार्य को इंस्पेक्टर द्वारा अपने प्रतिष्ठा पर व्यक्तिगत रूप से ले लिया गया। कहा कि जो कार्य मेरे द्वारा प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए जनता के रोष को संभालने के लिए किया गया वह प्रतिष्ठा का विषय बनाते हुए व्यक्तिगत द्वेष से सरकारी कार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज करवा दिया गया। इसके निमित आज भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला उपाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में एक प्राधिमंडल बनाकर जामताड़ा उपयुक्त फैज अक अहमद मुमताज एवं पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी को उचित कार्यवाही करने के लिए ज्ञापन दिया एवं जिलाध्यक्ष पर लगे मुकदमे को रद्द करने की मांग की।

प्रदेश से रावणराज मिटाने केलिये ,राम की मजबूत सेना बननी चाहिये

- शिबू सोरेन परिवार काअतीत लूट से जुड़ा है...बाबूलाल मरांडी
- राज्य के सत्ताधारी प्रदेश को दीमक की तरह खा रहे

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश ने आज राज्य सरकार पर फिर कड़ा प्रहार किया। मौका था अभिनंदन समारोह कार्यक्रम जिसमे पूर्व विधान पार्षद एवम जदयू के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण सिंह, पूर्व विधायक ताला मरांडी सहित उनके सैकड़ों साथी ,समर्थकों ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, सांसद एवम पूर्व मंत्री सुदर्शन भगत,पूर्व सांसद रविन्द्र कुमार राय,विधायक एवम प्रदेश मंत्री नवीन जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती गंगोत्री कुजूर ,रांची महानगर जिलाध्यक्ष केके गुप्ता, लोहरदगा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव, मनोज मिश्रा उपस्थित थे।

नावाडीह पंचायत से मुखिया प्रत्याशी के समर्थन में चला जनसंपर्क कार्यक्रम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

कर्माटांड़/जामताड़ा। झारखंड राज्य में पंचायत का अधिकार प्राप्त होने के बाद प्रथम चुनाव में पाकीज़ा खातून को नावाडीह पंचायत से मुखिया बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है ।बता दें पाकीजा खातून 7 वर्षों बाद फिर मुखिया प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में हैं दूसरे चुनाव में उनके पति सज्जाद अंसारी उर्फ गुल मोहम्मद को भी मुखिया बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ वर्तमान समय में सज्जाद अंसारी नावाडीह पंचायत से मुखिया हैं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में नावाडीह पंचायत महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया गया है इसलिए पाकीज़ा खातून नावाडीह पंचायत से मुखिया प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही है । बिहार दर्शन न्यूज़ के जिला संवाददाता सद्दाम हुसैन से उनके पति सज्जाद अंसारी उर्फ गुल मोहम्मद ने बातचीत करते हुए बताया हमारी 12 साल की उपलब्धि यह है कि हमने घर के झगड़े को आंगन के अंदर सुलझाया। नावाडीह पंचायत को भ्रष्टाचार मुक्त रखा दलाल और बिचोलिया से बचाए रखा अपने पंचायत क्षेत्र में हाई स्कूल लाया ताकि हमारे बच्चे उच्च शिक्षा हासिल कर सकें । जन समस्या के निराकरण के लिए 24 घंटा जनता के बीच हाजिर रहते हैं मेरी पत्नी पाकीज़ा खातून चुनाव जीत रही है पंचायत क्षेत्र के लोगों का अपार स्नेह व समर्थन मिल रहा है। सज्जाद अंसारी ने कहा कि जामताड़ा उपायुक्त महोदय द्वारा चलाया गया पब्लिक लाइब्रेरी को हमने अपने पंचायत में मॉडल लाइब्रेरी बनाया है जिसे कोई भी जाकर देख सकते हैं मेरे पंचायत क्षेत्र में पानी की सुविधा बहुत जल्द नल के माध्यम से घर-घर पहुंचेगा । अपने पंचायत को सुंदर बनाने में हमने कोई कसर कहीं बाकी रहने नहीं दिया है जनता का बेपनाह आशीर्वाद मुझ पर बना हुआ है मेरी पत्नी पाकिजा खातून की जीत सुनिश्चित होगी ।

अवैध उत्खनन मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त कलीमुद्दीन अंसारी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शिकारीपाड़ा(दुमका)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा द्वारा गठित एसआईटी टीम ने अवैध उत्खनन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शिकारीपाड़ा थाना में दर्ज प्राथमिकी के अप्राथमिकी अभियुक्त कलीमुद्दीन अंसारी को सोमवार की रात गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। शिकारीपाड़ा थाना कांड संख्या-11/22 दिनांक 18-01-2022 को भादवि की धारा 379, 34 एवं खान एवं खनिज विकास अधिनियम की धारा4/21 में विष्णु मंडल, सजय मंडल उर्फ संजय मंडल, पिंटू मंडल एवं हावल मंडल के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी उसी के जांच के क्रम में कलीमुद्दीन अंसारी को अप्राथमिकी अभियुक्त बनाया गया और पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित एसआईटी टीम में शामिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नूर मुस्तफा अंसारी, पुलिस निरीक्षक मोहम्मद वकार हुसैन, पुलिस निरीक्षक अरविंद कुमार, अवर निरीक्षक खुर्शीद आलम, अवर निरीक्षक सुगना मुंडा एवं अवर निरीक्षक अरविंद कुमार राय द्वारा सोमवार की रात कलीमुद्दीन अंसारी को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गयो शेष नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

तीनो वादें पूरे नहीं करने पर पद व राजनीति से दूंगा इस्तीफा : मंसूर आलम

डुमरी/गिरिडीह। डुमरी भाग-31 के जिला परिषद सदस्य प्रत्याशी मंसूर आलम ने आज अपने क्षेत्र के डुमरी, कुलगो, नावाटांड़, भरखर, अमरा, चिनिकिरो,टेंगराखुर्द, पोरदाग, गुरुटांड़ आदि गांवों का तूफानी दौरा किया। दौरे के क्रम में जनता के बीच में उन्होंने अपने तीनों वादों को दोहराया कि किसी भी हाल में घुजाडीह मोड़ में फुटओवर ब्रिज,डुमरी में महिला कॉलेज निर्माण और प्रत्येक पंचायत में 50-50 सोलर जलमीनार और 50-50 सोलर किसान पंप का वितरण अगर अपने कार्यकाल के एक साल के अंदर पूरा नहीं कर पाएंगे तो साल में 365 दिन होता है, मैं 366वें दिन अपने पद और राजनीति दोनों से इस्तीफा दे दूंगा। जनता के मिल रहे अपार जन समर्थन से गदगद मंसूर आलम ने कहा कि इस बार लोग समाज में फैली बीमारी और शिक्षा के लिए अच्छे डॉक्टर एवं शिक्षक के रूप में मुझे देख रहे हैं क्योंकि पीड़ित व्यक्ति जात-पात देखकर अपना इलाज डॉक्टर से नही करवाता है। बल्कि अच्छे डॉक्टर देखकर इलाज करवाता है। दौरे के क्रम में उनके साथ बैजनाथ महतो, राजकमल महतो, रोहीत ठाकुर, हेमलाल यादव, मनोज तुरी, सतीश महतो आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

एनआइसी कैंप बागपत हेतु किया गया चयन

डुमरी। बिनोवा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग एनएसएस प्रकोष्ठ के अंतर्गत झारखंड कॉलेज डुमरी के एक छात्र एवं एक छात्रा का चयन एनआइसी कैंप बागपत (यूपी) के लिए चयन किया गया है। चयनित हुए छात्र अमित कुमार एवं छात्रा तनु प्रिया शामिल है।
चयन होने पर कॉलेज के एनएसएस यूनिट 1 व 2 के पीओ क्रमशः प्रो.मनोज सिंह व प्रो.शंकर ठाकुर,प्रो. पीके सिन्हा,प्रो.अमिता मिश्रा,प्रो.घनश्याम यादव,प्रो. मनोज तिवारी,कैलाश चौधरी आदि ने शुभकामनाएं व बधाई दी है।

सीसीएल कर्मी मार्निंग वॉक के दौरान बेहोश हो कर गिरे

बेरमो। सीसीएल कर्मी महादेव बीपी सुबह टहलने के दौरान बेहोश हो कर गिर गये। स्थानीय लोगो की मदद से केंद्रीय अस्पताल ढोरी लाया गया। जहाँ डॉक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृत सीसीएल कर्मी खास ढोरी में कार्यरत था। मौके पर मुख्य रूप से वार्ड पार्षद अजय कुमार जयसवालं, वार्ड प्रतिनिधि राजू दिगार,भोला भारती, देशव साहू, ताराचाँद, गुरुदयाल, कृष्णा रजवार आदि उपस्थित आदि थे।

भारत पेंशनर्स समाज की बैठक में पेंशनधारियों की समस्या पर विशेष चर्चा हुई

डुमरी। भारत पेंशनर्स समाज की बैठक मंगलवार को डुमरी में सम्पन्न हुई।समाज के अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में पेंशनधारियों के समक्ष आने वाली परेशानियों के समाधान पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही पेंशन का भुगतान करने वाले बैंकों के प्रबंधकों से मिलकर इसका समाधान करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पेंशनधारी शंकर राम महतो, वासुदेव प्रसाद महतो और गनौरी राम का 15 वर्ष पूर्व होने के पहले ही कम्युटेशन राशि की कटौती बंद होने और पेंशनधारी रामजी प्रसाद का 15 वर्ष पुरा होने के बाबजूद कम्युटेशन राशि की कटौती बंद नहीं होने पर विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही इस मामले को लेकर संबंधित बैंक के प्रबंधकों से मिलकर इसका समाधान करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सभी पेंशनधारियों को अपना-अपना बैंक पासबुक अद्यतन कराते हुये समय पर इन्कम टैक्स भरने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर रामजी प्रसाद, जयलाल महतो,गिरधारी महतो, गनौरी राम,नरसिंह राम, भोला प्रसाद,गणेश सिंह, सत्यदेव सिन्हा,बैजनाथ प्रसाद बर्णवाल आदि उपस्थित थे।

प्रथम चरण में हुए मतदान की मतगणना ससमय शुरू

प्रथम चरण (गोमिया - पेटरवार) का वज्रगृह/मतगणना केंद्र बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-2/डी को बनाया गया

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त श्री कुलदीप चौधरी, उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री, सामान्य प्रेक्षक बेरमो अनुमंडल क्षेत्र प्रदीप कुमार के देखरेख में मतगणना किया जा रहा है।

- **गोमिया प्रखंड की मतगणना हेतु 36 टेबल एवं पेटरवार प्रखंड हेतु 16 टेबल लगाया गया है साथ ही पर्याप्त संख्या में मतगणना कर्मियों को किया गया है प्रतिनियुक्त**
- **मतगणना के बाद कुल 1702 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो। त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव के तहत 14 मई को प्रथम चरण गोमिया व पेटरवार प्रखंड में हुए मतदान की मतगणना आज दिनांक 17 मई को जिले के बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-2/ऊ में ससमय शुरू कर दिया गया है। मतगणना बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के गोमिया व पेटरवार प्रखंडों का किया जा रहा है, जहाँ प्रथम चरण का मतदान हुआ था। । मतगणना को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह चौक स है। गेट के भीतर बिना पास के अंदर घुसने नही घुसने दिया जा रहा है। गेट पर पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही अग्निशमन वाहन और मेडिकल टीम के साथ एम्बुलेंस भी मौजूद है। मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं के प्रवेश के लिए अलगझअलग प्रवेश व निकासी द्वार बनाया गया है।

- **गोमिया प्रखंड के मतगणना हेतु 36 टेबल व पेटरवार प्रखंड के लिए 16 टेबल लगाया गया है-**

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त श्री कुलदीप चौधरी घूम घूम कर प्रति टेबल मतगणना के कार्यों को देख रहे हैं तथा संबंधित मतगणना कर्मी को आवशयक दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोमिया प्रखंड की मतगणना हेतु 36 टेबल एवं पेटरवार प्रखंड के लिए 16 टेबल लगाया है अथात कुल 52 टेबल लगाया गया है। साथ ही इसके लिए पयाप्त संख्या में मतगणना कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। मतगणना सुचारू रूप से चल रही है। मतगणना हेतु दोनो प्रखंडों की शुरुआत बूथ नंबर 1 से शुरू की गई है।

- **1702 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा-**

गोमिया व पेटरवार प्रखंडों में कुल चार पदों (जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया एवं वार्ड सदस्य पद) के लिए 1702 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। मंगलवार को मतपेटी में बंद मतपत्रों की गणना व परिणाम आने के साथ ही इनके किस्मत का फैसला हो जाएगा। कुल प्रत्याशियों में वार्ड सदस्य पद के लिए 1031, मुखिया पद के लिए 375, पंचायत सदस्य समिति के लिए 250 एवं जिला परिषद सदस्य पद के लिए 46 प्रत्याशी है।
उप विकास आयुक्त श्रीमती कीर्तीश्री जी., सामान्य प्रेक्षक बेरमो अनुमंडल क्षेत्र श्री प्रदीप कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चास श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो श्री अनंत कुमार सहित दोनो प्रखंडों के सभी चार पदों के निर्वाची पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित है।

डीवीसी में आरक्षण रोस्टर की जांच को लेकर बैठक अफसरों ने दिखाई गंभीरता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

निरसा। डीवीसी टावर्स कोलकाता में आरक्षण रोस्टर की सालाना जांच के लिए बैठक हुई। जिसमें ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार एससी, एसटी के निदेशक जी मुथुराजा, अवर सचिव (आरक्षण) ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार सी थेमोली, डीवीसी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) के अलावा डीवीसी ओबीसी इम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव, संयुक्त महासचिव, कार्य समिति सदस्य और डीवीसी ईडीसीएल (एससी , एसटी संगठन) के आठ प्रतिनिधियों शामिल हुए। नियुक्ति, पदोन्नति आदि में आरक्षण रोस्टर की जांच तथा भारत सरकार द्वारा आरक्षण नियमों के अनुपालन की निगरानी व समीक्षा की गई। इस दौरान डीवीसी ईडीसीएल (एससी, एसटी) और ओबीसी इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से विभिन्न विषयों पर जानकारी ली गई । एससी, एसटी संबंधी मुद्दों पर ईडीसीएल प्रतिनिधि ने विचार रखे। ओबीसी इम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव केपी सिंह ने डीवीसी में नियुक्ति (वर्तमान और बैकलॉग), ट्रेनिंग व उच्च शिक्षा , स्वीकृत (सैंक्शन) पद , भारत सरकार के बढ़ाने आदि को लेकर उर्जा मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखी। ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारी ने लिखित रूप से प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एम 6 स्तर में मात्र एक अधिकारी हैं। एम 7,8 में एक भी ओबीसी के अधिकारी नहीं हैं। नीचे स्तर पर कर्मचारियों एवं अधिकारियों को कोई संरक्षण-सहयोग नहीं मिल पाता है। वैसी परिस्थिति में ओबीसी कर्मचारियों अधिकारियों एसीआर एवं अन्य तरह से प्रताड़ित किया जाता है। जिसकी बहुत सारी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लिया। ओबीसी, एससी, एसटी के संगठनों ने ग्रुप बी एवं सी में नई नियुक्तियों, पदोन्नति के चैनल को तेज गति प्रदान करने और डीवीसी हीत में कर्मचारियों के उचित सदुपयोग हेतु पदोन्नति अवधि पूरा कर इंतजार कर रहे सभी बी 5 कर्मचारियों को एम 1 पद में एक साथ पदोन्नति की बात जोरदार तरीके से उठाया। डीवीसी प्रबंधन द्वारा ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों को दिए गए कागजातों की एक-एक प्रति ओबीसी, एससी, एसटी के संगठनों को भी देने की मांग की गई।

जरूरतमंद परिवार ने की सहयोग की अपील

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। प्रखंड के लोहेडीह पंचायत करमाटोगंरी से एक जरूरतमंद परिवार ने युवा साथी संगठन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। युवा साथी टीम के सदस्यों ने बताया कि करमाटोगंरी निवसी उमेश महतो की पत्नी तकरीबन 9 माह से प्रसव पीड़ा में थी।अचानक पेट दर्द चालू हुआ,उस दरमियान पति उमेश महतो पत्नी सरिता कुमारी को इलाज को लेकर धनबाद कस्तूरबा हॉस्पिटल लेकर गया।अल्ट्रासाउंड तथा सोनोग्राफी के माध्यम से पता चला कि बच्चा पेट में ही मर चुका है। परिवार में गरीबी के कारण हाहाकार मच गई।जिसके बाद बच्चा को बाहर निकाले जाने की विकट समस्या उत्पन्न हुई। इसके लिए पैसा कहां से आए फिर भी पति उमेश ने हार नहीं माना बरसों से कमाए पैसे को एक-एक पाई अपने पत्नी के बचाव के लिए लगा दिया। धनबाद के डॉक्टरों ने जवाब दे दिया ओर कहा कि आप दूसरे हॉस्पिटल में ले जाएं। पति बेबस होकर रांची के सैमफोर्ड होस्पिटल ले गया। फिर उसके बाद हेल्थ प्वाइंट होस्पिटल ले जाया गया।जहां डॉक्टर द्वारा नॉर्मल डिलीवरी कराया गया। परंतु उनकी पत्नी सरिता कुमारी की स्थिति नाजुक हो गई और वह जिंदगी और मौत के बीच में झुल रही है।उन्हे बेहतर इलाज करवाने के लिए घर वाले असमर्थ है,आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण महिला के परिजन युवा साथी के सदस्य से बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी से बातचीत करके आपको अवशय मदद करेंगे।युवा साथी के सदस्यों द्वारा आमजनों से अपने सामर्थ्य के अनुसार आर्थिक सहयोग करने की अपील की गई है।

कोयला लदा हाइवा पलटा, सड़क पर बिखरे काले हीरे को लूटने की मची होड़

- **भाग निकला ड्राइवर-खलासी, देर तक नहीं पहुंची पुलिस**
- **हाइवा पलटने से सड़क पर गिरा कोयला लूटते लोग**

धनबाद। धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार 17 मई की सुबह कोयले से भरा हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया. इसके बाद सड़क पर बिखरे कोयले की जमकर लूट हुई. कालाडीह मोड़ के समीप दुर्घटना में हाइवा के ड्राइवर और खलासी बाल-बाल बच गए और मौका देख भाग निकले. इसके बाद सड़क पर बिखरे कोयले की लूट के लिए होड़ मची रही. पुलिस नहीं पहुंची तो स्थानीय लोग बेकाबू हो गए और कोयला समेटकर बोरा में भरकर ले जाते रहे. विगत दिन तोपचांची थाना क्षेत्र में एक पिकअप वैन पलटने के बाद इसी तरह टमाटर की जमकर लूट हुई थी.
दुर्घटना के काफी देर तक गोविंदपुर थाने की पुलिस नहीं पहुंची थी. हालांकि लूट में शामिल स्थानीय लोगों ने कहा कि वह जलावन के लिए कोयला घर ले जा रहे हैं. सड़क पर बिखरे पड़े कोयले को ही उठा रहे हैं. लूट रोकने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि ड्राइवर और खलासी भाग गया है. मालिक ने उसे कोयले की रखवाली के लिए भेजा है. परंतु पुलिस के नहीं होने के कारण वह चाह कर भी किसी को रोक नहीं पा रहा है.

बीडीओ की अध्यक्षता में एक दिवसीय बैठक आयोजित

लिट्टीपाड़ा/पाकुड़। आज मंगलवार को आगामी त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के निमित भयमुक्त एवं सुविधा जनक मतदान सम्पन्न कराने हेतु प्रखंड सभागार लिट्टीपाड़ा मे प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में मतदान केंद्र के रूप में अवस्थित विद्यालयों के शिक्षकों ,माता समिति के संयोजिका, एवं जलसहिया के साथ बैठक की गई। जिसमें मुख्य रूप से सभी मतदान कर्मियों को भोजन पानी, विस्तार,दर्जी,बिजली, मतदान केन्द्र की चाभी उपलब्ध कराए जाने को लेकर आवशयक दिशा निर्देश दिया गया।
मौके पर बीपीओ मानिक दास,पेयजल प्रखंड समन्वय विजय ठाकुर,बीईओ ग्रीस चंद मंडल, एवं सभी शिक्षक मौजूद थे।

कार और बाइक की टक्कर में एक घायल

बेरमो/रिपब्लिक नेशन। बेरमो थाना क्षेत्र के फुटबॉल ग्राउंड के समीप कार और बाइक में जोरदार टक्कर हो गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक गड्ढे में जा गिरी।जिसमे बाइक सवार पिछरी पूरनाटांड निवासी एमडी अलीइमाम घायल हो गया। जिसे आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से सीसीएल के करगली क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर कर दिया। कार चालक पिंटू सिंह फुसरो के नया रोड के रहने वाले बताये जाते हैं।

आईआईटी दे रहा रोजगार का अवसरः

एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पद के लिए अभी करें आवेदन, जानें सारी डिटेल्स...

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

धनबाद। धनबाद स्थित आइआइटी आइएसएम ने एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और फिजिकली डिसएबल अभ्यर्थियों के लिए स्पेशल रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया है।इसके तहत आइआइटी ने विभिन्न विभागों के लिए एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद की बहाली निकाली है।कोई भी भारतीय संबंधित श्रेणी से इन पदों के लिए आवेदन कर सकता है।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 जुलाई निर्धारित की गई है। एसोसिएट प्रोफेसर का न्यूनतम वेतनमान एक लाख 39 हजार 600 रुपये और प्रोफेसर के लिए एक लाख 59 हजार 100 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है। इसके अलावा अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के लिए अर्हताएं भी निर्धारित की गई हैं। न्यूनतम अहर्ता फर्स्ट क्लास पीएचडी की डिग्री होनी चाहिए। एसोसिएट प्रोफेसर के लिए कम से कम छह वर्ष और प्रोफेसर के लिए 10 वर्ष शिक्षण कार्य का अनुभव जरूरी है। इसके साथ ही पीएचडी छात्रों के मार्गदर्शन करने में दक्ष भी हों। महत्वपूर्ण जर्नल में प्रकाशन के साथ ही कांफ्रेंस, पेटेंट, लैबरोटरी, कोर्स डेवलपमेंट और अन्य प्रोफेशनल गतिविधियों में बेहतर काम किया हो। आइआइटी आइएसएम के रिक्रूटमेंट पोर्टल पर आवेदन पूरी तरह से भरा हुआ होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट डबल्यू डबल्यू डबल्यू.आईआईटीआईएसएम्रडॉट एसी डॉट इन पर संपर्क कर सकते हैं।
इन विभागों के लिए आवेदनः एप्लाइड जियोलाजी,एप्लाइड जियोफिजिक्स,केमेस्ट्री एंड केमेकिल बायोलाजी,केमिकल इंजीनियरिंग,सिविल इंजीनियरिंग,कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग,इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग,इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग,इंवायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग,फ्यूल, मिनरल्स एंड मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग, 'मैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, मैनेजमेंट स्टडीज, मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग, मेकेनिकल इंजीनियरिंग, माइनिंग इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग एंड फिजिक्स।

- **मिलेंगी ये सुविधाएंः**

- भारत और विदेश में कांफ्रेंस के लिए प्रोफेशनल डेवलपमेंट अलाउंस के तौर पर तीन वर्ष
के अंतराल में तीन लाख रुपये।
- संस्थान के नियमों के तहत प्रतिवर्ष 24,000 हजार रुपये का टेलीफोन बिल।
- स्वजन व स्वयं के लिए मेडिकल सुविधाएं। बच्चों के लिए शिक्षण अलाउंस।
- केंद्रीय डीए और यातायात भत्ता। रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए दस लाख रुपये तक का ग्रांट।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संपादकीय

सधा हुआ बजट

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कोरोनाकाल में मोदी सरकार का दूसरा बजट प्रस्तुत किया। जैसा की उम्मीद की जा रही थी कि बजट संतुलित होगा, वैसा ही हुआ भी। आयकर में छूट का दायरा बढ़ाने जैसे कुछ प्रावधानों की अपेक्षा आम नागरिकों को थी, लेकिन सबको यह भी अनुमान था कि वर्तमान समय में सरकार इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं ले सकती। सरकार के सामने सबको संभालने की चुनौती है। अर्थव्यवस्था में आई गति को वह मंद नहीं पड़ने देना चाहती। इसलिए सरकार ने अपने इस बजट में व्यय पर नियंत्रण लगाया है। सबसिडी एवं अन्य योजनाओं के लिए बजट में पूर्ववर्त प्रावधान किए गए हैं या फिर उनमें आंशिक बढ़ोतरी की गई है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पिछले एक वर्ष में कोरोना महामारी से देश के नागरिकों का जीवन सुरक्षित करने के लिए विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया है। शासकीय व्यय पर अंत्योदय तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को भी पहुँचाया है। कोरोना महामारी में आम आदमी की चिंता सरकार ने अभिभावक की तरह करने की यथासंभव कोशिश की है। अपने इन कार्यक्रमों को संचालित करने में सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सरकार ने किसी प्रकार के लोकलुभावन प्रावधान करने से परहेज ही किया। इस बात के लिए सरकार की सराहना करनी होगी कि उसने लोकहित का ध्यान रखते हुए नये कर लागू नहीं किए। यदि सरकार नये कर लागू करती तब आम आदमी की कठिनाई और बढ़ जाती। भले ही पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव सामने हैं, लेकिन सरकार ने ऐसा कोई संकेत बजट से नहीं दिया कि उसकी नजर देश के आर्थिक सेहत पर नहीं बल्कि चुनावों में जनता को आकर्षित करने पर रही। जबकि कई विशेषज्ञ यह मानकर चल रहे थे कि पाँच राज्यों के मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए सरकार कुछ प्रावधान कर सकती है। लेकिन सरकार ने दूरदृष्टि और राष्ट्रनीति का पालन करते हुए इस प्रकार की सभी अटकलों को सही साबित नहीं होने दिया। मोदी सरकार का यह बजट भविष्य के भारत की तस्वीर को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। डिजिटल मुद्रा को लाने का निर्णय, ई-विद्या का विस्तार, डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना, एमएसपी की राशि सीखे किसानों के खातों में भेजने के निर्णय महत्वपूर्ण हैं। कोरोना महामारी का सामना करते हुए भारत सरकार अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लेकर आई है। कोरोना के प्रतिकूल प्रभावों के कारण बढ़ती महंगाई दर, बेरोजगारी, मझले उद्योग के संकट सहित अनेक प्रकार की चुनौतियां सरकार के सामने हैं। अपने इस बजट से सरकार ने सभी प्रकार की चुनौतियों को साधने का प्रयास किया है।

आयकर में छूट का दायरा बढ़ाने जैसे कुछ प्रावधानों की अपेक्षा आम नागरिकों को थी, लेकिन सबको यह भी अनुमान था कि वर्तमान समय में सरकार इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं ले सकती। सरकार के सामने सबको संभालने की चुनौती है।

विचार

ज्यादातर आबादी इस पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की अपेक्षा करती है

भ्रष्टाचार के विरूद्ध नरेन्द्र मोदी की हुंकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में पल-बढ़ रहे सबसे बड़े रोग भ्रष्टाचार को लेकर चिंता जाहिर की है और फिर से देशवासियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। भ्रष्टाचार एक दीमक की तरह है जो देश को, उसकी अर्थव्यवस्था को, विकासमूलक कार्यों को और कुल मिलाकर नैतिकता एवं मूल्यों को खोखला कर रहा है। यह उन्नत एवं मूल्याधारित समाज के विकास में बड़ी बाधा है। शासन व्यवस्था की भ्रष्टता सशक्त भारत निर्माण का बड़ा अवरोध है। हाल में ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल की ओर से जारी भ्रष्टाचार अवधारणा सूचकांक में भारत को दुनिया भर के 180 देशों की सूची में 85वां स्थान मिला है। जाहिर है, यह तस्वीर कोई संतोषजनक नहीं है और देश में सत्ता से लेकर विपक्षी दलों और जनता तक के स्तर पर सभी पक्षों को सक्रिय रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ ठोस कदम उठाना होगा, भ्रष्टाचार का मुद्दा चुनावी मुद्दा भी बनना चाहिए एवं पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में इसकी खनक सुनाई देनी चाहिए। खासतौर पर राजनीतिक पार्टियों के भीतर इस बेहद जटिल समस्या से निपटने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति की जरूरत है। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए एक बड़ा एवं कड़वा सच यह है कि इस समस्या से देश लंबे समय से पीड़ित है और इसका खामियाजा आखिरकार जनता को भुगतना पड़ता है। स्वाभाविक ही इसका सीधा असर देश के विकास पर पड़ा, जिसके आईने में हम पिछले सात दशक से ज्यादा के आजादी के सफर को आंकते हैं। बड़े पदों पर आसीन अधिकारियों एवं मंत्रियों-राजनेताओं के भ्रष्टाचार ज्यादा बड़ी समस्या है क्योंकि उनके उजागर होने, उजागर हो जाने पर उन्हें दबा दिये जाने की त्रासद स्थितियां अधिक चुनौतीपूर्ण है, उन पर लगाम लगाना ज्यादा जटिल है। यह बात हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोप में गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग निदेशक ईएस रंगनाथन की गिरफ्तारी बताती है। सवाल है कि आखिर कौन-सी वजहें रहीं कि तमाम जद्दोजहद के बावजूद लंबे समय से यह समस्या न केवल ज्यों की त्यों बनी है, बल्कि कई स्तरों पर पहले के मुकाबले जटिल भी हुई है। क्या सरकार से लेकर आम लोगों के भीतर भ्रष्टाचार की समस्या से निपटने की इच्छाशक्ति में कमी रही या दायित्वबोध का अभाव रहा, जिसके चलते आज भी इस पर फिक्र जतानी पड़ती है? सरकार के तमाम दावों के बावजूद भ्रष्टाचार पर प्रभावी लगाम नहीं लग पा रही है। पिछले दिनों भ्रष्टाचार का एक अन्य मामला भी चर्चा में रहा है जिसमें नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के डिप्टी कमांडेंट प्रवीण यादव को 131 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस अधिकारी ने कितने बड़े पैमाने पर अपनी धोखाधड़ी का जाल फैला रखा था इसका पता इससे चलता है कि उसके करीब 45 खाते फ्रीज किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईमानदार एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन देने के संकल्प के साथ कहा गया वाक्य कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा, का असर मंत्रियों, सांसदों पर तो ऊपरी तौर पर दिख रहा है, लेकिन विभिन्न सरकारी कम्पनियों में भ्रष्टाचार व्यापकता से आज भी पसरा है, गैल का ताजा भंडाफोड इसका उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने भी यह कहा कि हमें अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देते हुए मिल कर शीघ्र ही भ्रष्टाचार से मुक्ति पानी है। इसके लिए आने वाले दशकों तक या अनिश्चितकाल तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। केन्द्र के साथ-साथ विभिन्न राज्य सरकार को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि अधिकारियों और कारोबारियों, अधिकारियों एवं गैर सरकारी संगठनों के बीच साठगांठ के चलते बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी भी हो रही है और सरकारी धन सेवा के नाम पर किन्हीं खास लोगों एवं संगठनों तक पहुंच रहा है। यह टैक्स चोरी या किन्हीं खास लोगों-संगठनों को स्व-लाभ की शर्तों पर लाभ पहुंचाना भी भ्रष्टाचार का ही रूप है। लिहाजा सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए नए उपायों पर विचार करे और प्रधानमंत्री लम्बे समय से इसके लिये प्रयासरत है। उनके प्रयासों का असर दिख भी रहा है। लेकिन इसके लिये प्रशासनिक, राजनीतिक एवं जनक्रांति की अपेक्षा है। इसकी एक बड़ी मुश्किल यह है कि देश में ऐसे तमाम लोग हैं, जो भ्रष्टाचार को एक गंभीर समस्या मानते हैं, उसके पीड़ित भी हैं, लेकिन लंबे समय से इसका सामना करने की वजह से शायद वे इसके अभ्यस्त हो गए हैं और इसीलिए इसके प्रति उदासीन दिखते हैं। हालांकि देश की ज्यादातर आबादी इस पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की अपेक्षा करती है। आसान शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार उन लोगों के द्वारा जिनमें पॉवर होती है एक प्रकार का बेईमान या धोखेबाज आचरण को दर्शाता है। यह समाज की बनावट को भी खराब एवं भ्रष्ट करता है। यह लोगों से उनकी आजादी, स्वास्थ्य, धन और कभी-कभी उनके जीवन को ही खत्म कर देता है। किसी ने सही कहा है कि भ्रष्टाचार एक मीठा जहर है। भारत में हर साल खरबों की राशि या तो रिश्वतखोरी या फिर भ्रष्ट तरीकों की भेंट चढ़ जाती है जिससे कानून के शासन की अहमियत तो कम होती ही है, साथ ही स्वस्थ शासन व्यवस्था का सपना चकनाचूर होता है। प्रधानमंत्री के नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या है। इस विकराल होती समस्या से मुक्ति के प्रधानमंत्री युवाओं से विशेष उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को खत्म करने का काम हम सभी देशवासियों को, आज की युवा पीढ़ी को मिल कर करना है। इसके लिए बहुत जरूरी है कि हम अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता दें। आज की युवा पीढ़ी न केवल समूचे तंत्र में गहरे पैठे भ्रष्टाचार को बाकी समस्याओं की जड़ मानती है, बल्कि समय पर उचित प्रतिक्रिया भी देती है। चाहे इस पर राय जाहिर करना हो, किसी रूप में भ्रष्ट व्यवहार के खिलाफ जूझना हो या फिर इसके अंत के लिए आंदोलनों में हिस्सा लेना हो। विडम्बना तो यह भी है कि भ्रष्टाचार के जितने मामले प्रकाश में आते हैं, उन्हें दबाने में भी एक नये तरीके का भ्रष्टाचार होता है। आवश्यक केवल यह नहीं है कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों की निगरानी हो और उनके खिलाफ समय-समय पर छापेमारी भी की जाए। इसके साथ ही आवश्यक यह भी है कि उन कारणों का निवारण भी किया जाए जिनके चलते अधिकारी भ्रष्टाचार करने में सक्षम बने हुए हैं। यदि भ्रष्ट अधिकारियों को यथाशीघ्र सजा देने में सफलता नहीं मिलती तो फिर भ्रष्ट तत्वों को हतोत्साहित नहीं किया जा सकता। दरअसल, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य भाव की अनदेखी के चलते भ्रष्ट मानसिकता वाले लोग अपने दायित्व की उपेक्षा करके कदाचार में लिप्त होते हैं और जो सेवा व्यवस्थागत तौर पर जनता के अधिकार के तौर पर तय की गई होती है, उसे हासिल करने के लिए लोगों को अवैध तरीके से पैसे चुकाने से लेकर कई स्तरों पर परेशान होना पड़ता है। यह मुश्किल केवल निचले स्तर पर नहीं है, बल्कि समूचे तंत्र में हर ऊपरी सीढ़ी पर भ्रष्टाचार अपने जटिल स्वरूप में और गंभीर होता चला जाता है। भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में यही सामने आता है कि अधिकारी और कारोबारी मिलकर मनमानी करते हैं। भ्रष्ट अधिकारियों और कारोबारियों के बीच मिलीभगत कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह चिंता की बात है कि इस मिलीभगत को तोड़ने में अपेक्षित सफलता मिलती हुई नहीं दिख रही है। यह ठीक है कि केंद्र सरकार के शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और भ्रष्टाचार का कोई बड़ा मामला पिछले छह-सात सालों में सामने नहीं आया है, लेकिन यह तो चिंताजनक है ही कि निचले स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार में कोई उल्लेखनीय कमी आती नहीं दिख रही है। भारत अभी भी विकासशील देशों में से एक है।

ललित गर्ग

भ्रष्टाचार एक दीमक की तरह है जो देश को, उसकी अर्थव्यवस्था को, विकासमूलक कार्यों को और कुल मिलाकर नैतिकता एवं मूल्यों को खोखला कर रहा है। यह उन्नत एवं मूल्याधारित समाज के विकास में बड़ी बाधा है। शासन व्यवस्था की भ्रष्टता सशक्त भारत निर्माण का बड़ा अवरोध है। हाल में ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल की ओर से जारी भ्रष्टाचार अवधारणा सूचकांक में भारत को दुनिया भर के 180 देशों की सूची में 85वां स्थान मिला है।

ब्लॉग

छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग की आर्थिक चुनौतियां खासा बढ़ गई

कर सुधार को गति देने का समय

कोविड-19 से पिछले दो वर्षों में छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग की आर्थिक चुनौतियां खासा बढ़ गई हैं। ऐसे में, कर संग्रह में उछाल के बीच 1 फरवरी को जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वर्ष 2022-23 का बजट पेश करेंगी, तो व्यक्तिगत आयकर के मोर्चे पर वह बड़ी छूट का एलान कर सकती हैं। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देते हुए इनकी क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करने की रणनीति अपना सकती हैं। इसमें दो मत नहीं है कि पिछले दो वर्षों में कोरोना संकट के कारण एक तरफ जहां बड़ी संख्या में लोगों के रोजगार गए, उनके वेतन-पारिश्रमिक में कटौती हुई और 'वर्क फ्रॉम होम' की वजह से टैक्स में छूट के कुछ माध्यम कम हो गए, तो वहीं दूसरी तरफ डिजिटल तकनीक, ब्रॉडबैंड, बिजली के बिल जैसे खर्चों में बढ़ोतरी से बड़ी संख्या में छोटे करदाताओं की आमदनी घट गई। इन दिनों महंगाई भी बढ़ गई है। दिसंबर 2021 में थोक महंगाई दर गिरकर 13.56 फीसदी पर रही, जबकि उसी महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.59 फीसदी पर पहुंच गई। पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी ऊंची हैं। चूंकि कोरोना के कारण पैदा हुए आर्थिक हालात से लड़ने और छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष के बजट में कोई बड़ी राहत नहीं दी गई थी, इसलिए इस बार उम्मीद है कि सरकार टैक्स का बोझ कम करने के लिए अभूतपूर्व प्रोत्साहन दे सकती है। छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के पुराने स्लैब के पुन: निर्धारण की आवश्यकता खूब महसूस की जा रही है। आयकरदाताओं को राहत देते हुए सरकार को टैक्स छूट की सीमा दोगुनी कर पांच लाख रुपये कर देनी चाहिए। नए बजट में वित्त मंत्री को नौकरी-पेशा वर्ग के लोगों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा 75 हजार रुपये तक बढ़ानी चाहिए। इसी तरह, मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की छूट मिलती है, जिसमें ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और आवास ऋण का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की छूट पर्याप्त नहीं है। इस छूट की सीमा तीन लाख रुपये तक की जानी चाहिए। इससे बचत को लेकर लोग ज्यादा उत्सुक होंगे, क्योंकि कई टैक्स सेविंग्स निवेश इस सेक्शन के तहत आते हैं। इसी तरह, घर खरीदने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को बजट में आवास ऋण के ब्याज पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ाना चाहिए और इसकी सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार लाख रुपये कर देनी चाहिए। इससे मकानों की ब्रिकी में तेजी आने की संभावना होगी। सरकार द्वारा आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को भी बढ़ाना चाहिए। चूंकि अभी भी कोरोना की चुनौतियों के बावजूद देश में स्वास्थ्य बीमा अधिक चलन में नहीं है और अधिकतर लोगों के स्वास्थ्य बीमे का कवर कोरोना वायरस के कारण अस्पताल के खर्चे से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है, इसलिए 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर कर छूट को बढ़ाना चाहिए, ताकि करदाता स्वास्थ्य बीमा की तरफ प्रेरित हों। स्वास्थ्य बीमा को सस्ता किया जाना भी जरूरी है। इस पर 18 फीसदी जीएसटी है, जिसे कम किया जाना चाहिए। देश में करीब 14 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं, जिनमें से अधिकांश छोटी बचत योजनाओं के ब्याज पर निर्भर होते हैं। चूंकि उन पर ब्याज दर घटा दी गई है, इसलिए बजट में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर की छूट सीमा बढ़ाकर उनको राहत देनी चाहिए। निश्चित रूप से नए बजट के माध्यम से आयकर सुधारों को गतिशील किया जाना जरूरी है। वर्ष 2020 से आयकर विभाग ने करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर), पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) और पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था लागू की है। ऐसे में, अब नए बजट से कर वंचना रोकने के प्रयास करने होंगे। बहुत सारे लोग अच्छी आमदनी के बावजूद आयकर का भुगतान नहीं करते। उनके कर न देने का भार ईमानदार करदाताओं पर पड़ता है। चूंकि वेतनभोगी-वर्ग नियमानुसार अपने वेतन पर ईमानदारीपूर्वक आयकर चुकाता है, इसलिए अच्छी आमदनी के बावजूद आयकर नहीं देने वालों को जांच के दायरे में लाने के लिए आयकर विभाग को वित्तीय लेन-देन की जानकारी के विस्तार के अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मोदी सरकार ने काले धन और बेनामी लेन-देन का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण कानून बनाए हैं। आयकर अधिकारियों को अब यह अधिकार दे दिया गया है कि अगर उनके पास किसी करदाता के बारे में ऐसी सूचना है कि उसने बीते तीन वर्षों में आय का आकलन छिपाया है, तो वे गहन आयकर जांच कर सकते हैं। चालू वित्त वर्ष 2021-22 में आयकर विभाग ने रिकॉर्ड तादाद में जांच करते हुए अघोषित आय मालूम भी की है। लेकिन अभी और अधिक आयकर जांच और तलाशी की जरूरत बनी हुई है।

दिसंबर 2021 में थोक महंगाई दर गिरकर 13.56 फीसदी पर रही, जबकि उसी महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.59 फीसदी पर पहुंच गई। पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी ऊंची हैं। चूंकि कोरोना के कारण पैदा हुए आर्थिक हालात से लड़ने और छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष के बजट में कोई बड़ी राहत नहीं दी गई थी।

देश दुनीया से

मुफ्त बिजली और लैपटॉप की कीमत कौन चुकाएगा

अभी पांच राज्यों में चुनावों की प्रक्रिया चल रही है, जिसको देखते हुए राजनीतिक दलों की तरफ से मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन दिए जा रहे हैं। जनता को लुभाने के लिए राजनीतिक दल स्कूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, बिजली और पानी के बिल में कटौती और नगद कैश देने की पेशकश कर रहे हैं। चुनाव आयोग ऐसे प्रलोभनों को रोकने में स्वयं को असमर्थ पा रहा है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, जिसने केंद्र और निर्वाचन आयोग से इस पर जवाब मांगा है। इस मामले में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि आखिर राजनीतिक दल मतदाताओं से जो लंबे-चौड़े वादे करते हैं, वह उन्हें कैसे पूरा करेंगे और इसके लिए उनके पास संसाधन कहां से आएंगे। दरअसल जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में अब भी कुछ कमियां हैं, जिसका फायदा उठाने में राजनीतिक दल और राजनेता सफल होते रहे हैं। भारत के संविधान निर्माताओं ने हमारी कानूनी व्यवस्था को उदारवादी रूप दिया था, ताकि गरीबों और वंचितों का उत्पीड़न न हो। परंतु इसका दुरुपयोग किया जाता है और न्याय लंबा खिंचने लगता है। हमारी व्यवस्था की एक बड़ी खामी यह भी है कि आज भी बड़ी संख्या में गंभीर आरोपों में आरोपित भी संसद और विधानसभाओं में पहुंच जाते हैं। इसमें चुनाव में दिया जाने वाला प्रलोभन उनकी राह आसान करता है। दरअसल जरूरत मतदाताओं में जागरूकता फैलाने की है। चुनाव सुधार की दिशा में काम जरूर हुआ है, पर अब भी इसमें सुधार की बहुत जरूरत है, ताकि एक स्वस्थ व्यवस्था बन सके और अपराधी तत्व संसद और विधानसभा में न पहुंच सकें। इसके लिए राजनीतिक दलों को भी खुद से पहल करनी चाहिए। एक स्वस्थ लोकतंत्र में कानून सबके लिए समान होना चाहिए। प्रलोभन और दबाव के दम पर चुनाव जीतने वाले नेता बाद में गलत कार्यों के जरिये इसकी भरपाई भी करते हैं और गैरकानूनी तरीके से धन एकत्र करते हैं। हैरत नहीं कि दिल्ली की सीमा से लगे नोएडा से लेकर आगरा और आगरा से लेकर लखनऊ तक ऐसे नेताओं की अघोषित जागीरें हैं। आर्थिक प्रलोभनों के साथ ही राजनीतिक दल सांप्रदायिकता, जातिवाद और क्षेत्रवाद के आधार पर लोगों को बांट कर वोट हासिल करने की कोशिश करते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि शक्तिशाली राजनेताओं के साथ-साथ बाहुबलियों को भी कानून की पकड़ से बचाने के लिए देश की न्याय व्यवस्था का किस तरह से दुरुपयोग किया जाता है। यह वाकई दुखद है कि जो धन देश के चौमुखी विकास पर खर्च होना चाहिए, वह मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रलोभन के रूप में खर्च हो रहा है। राजनीतिक दलों से सचमुच पूछा जाना चाहिए कि आखिर वे जो मुफ्त में स्कूटी, लैपटॉप, स्मार्टफोन से लेकर मुफ्त में बिजली देने का वादा कर रहे हैं, उसके लिए वह धन कहां से लाएंगे। चुनाव प्रक्रिया में उचित बदलाव किए जाने की जरूरत है, जिससे गंभीर अपराधों में लिप्त अपराधी चुनाव में जीत कर लोकसभा और विधानसभाओं में न पहुंच सकें। इसके लिए संसद को जरूरी हो तो कानून पारित करना चाहिए, ताकि हमारा लोकतंत्र और मजबूत हो सके।

चुनाव सुधार की दिशा में काम जरूर हुआ है, पर अब भी इसमें सुधार की बहुत जरूरत है, ताकि एक स्वस्थ व्यवस्था बन सके और अपराधी तत्व संसद और विधानसभा में न पहुंच सकें। इसके लिए राजनीतिक दलों को भी खुद से पहल करनी चाहिए।

कुछ अलग

चुनावी दौड़ में कहां है बसपा

करीब पांच वर्ष पूर्व अपनी किताब बहनजी के तीसरे और आखिरी संस्करण में मैंने इसके उपशीर्षक द पॉलिटिकल बॉयोग्राफी ऑफ मायावती (मायावती की राजनीतिक जीवनी) को बदलकर द राइज ऐंड फॉल ऑफ मायावती (मायावती का उत्थान और पतन) कर उनके राजनीतिक सफर के अंत की भविष्यवाणी की थी। वह और उनके सहयोगी इससे नाराज हो गए थे, लेकिन उत्तर प्रदेश की राजनीति के कई जानकारों ने भी महसूस किया कि मैंने एक ऐसी नेता के राजनीतिक सफर के अंत की घोषणा कर जोखिम उठाया है जिन्होंने अतीत में कई बार हार के जबड़ों से जीत छीनी थी। हालांकि, मैं न केवल राज्य और संसदीय चुनावों में उनकी बार-बार की हार, बल्कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश के तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए आश्वस्त था कि बहनजी और उनकी पार्टी निर्णायक रूप से गिरावट की ओर हैं और उनका पुनरुत्थान किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। यह सच है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा सुप्रीमो दस सीटें हासिल करने में सफल रही थीं, पिछले लोकसभा चुनाव के लिहाज से यह बड़ी सफलता थी, क्योंकि तब उन्हें एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन यह संभव हुआ था समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोटों के बसपा उम्मीदवारों को हस्तांतरण से। तब हताशा से घिरी मायावती और यादव परिवार के झगड़े की वजह से संकट में घिरे अखिलेश यादव ने हड़बड़ी में गठबंधन किया था। नुकसान तो समाजवादी पार्टी को हुआ था, लेकिन बहनजी ने अचानक गठबंधन तोड़ दिया। कहा जाता है कि उन्होंने कथित तौर पर भाजपा के ताकतवर गृह मंत्री अमित शाह के दबाव में ऐसा किया। लोकसभा चुनाव के बाद से मायावती राजनीतिक रूप से उदासीन रही हैं। वह बेबसी के साथ देखती रहीं कि कैसे 403 सदस्यों वाली मजबूत विधानसभा से उनके 19 विधायकों में से 13 समाजवादी पार्टी में चले गए। एक समय उनके बेहद करीबी राजनीतिक सहयोगी रहे स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान और नसीमुद्दीन सिद्धिकी ने तो पहले ही उनका साथ छोड़ दिया था। पिछले कुछ वर्षों में राज्य की राजनीति में मायावती की आधी-अधूरी भागीदारी, यहां तक कि उत्तर प्रदेश में दलितों के उत्पीड़न की घटनाओं पर उनकी चुप्पी से यही महसूस किया जाता है कि एक समय की मुखर दलित नेता ने या तो अपना प्रभाव खो दिया है या फिर केंद्र और राज्य की सत्ता के आगे समर्पण कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में राज्य की राजनीति में मायावती की आधी-अधूरी भागीदारी, यहां तक कि उत्तर प्रदेश में दलितों के उत्पीड़न की घटनाओं पर उनकी चुप्पी से यही महसूस किया जाता है कि एक समय की मुखर दलित नेता ने या तो अपना प्रभाव खो दिया है या फिर केंद्र और राज्य की सत्ता के आगे समर्पण कर दिया है।

सरकार की कार्यप्रणाली से नाखुश पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी

पीलीभीत से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़कर सांसद बने वरुण गांधी को जनता से बहुत लगाव है। जनता के दुखदर्द में हमेशा साथ देने वाले वरुण गांधी को गांधी नाम विरासत में मिला है। वैसे भी जिसके साथ गांधी दजुड़ा होता है वह भारतीय राजनीति में सर्वे सर्वा होता है।वरुण गांधी को वर्तमान भाजपा की कार्यप्रणाली नही भा रही है। हमेशा सिस्टम पर सवाल खड़े करके भाजपा को कठघरे में खड़ा करने वाले वरुण गांन्धी भूल गए है कि वो भाजपा से जुड़े है और भाजपा की टिकट पर सांसद बने है। हर मंच पर भाजपा की आलोचना करते दिख जाते है। पार्टी में कदावर नेता के रूप में सम्मान पाने की हैशियत रखने वाले वरुण गांधी को किसी मंत्री पद का सफर नही किया है। भाजपा में हाशिये में धकेल दिया है।भाजपा में रहकर भाजपा की कब्र खोदने वाले वरुण पहले और आखिरी सांसद नही है। जिन सांसद और विधायको ने पार्टी की बुराई कर आलाकमान की बुराई की है। उनका हश्र बहुत खराब हुआ है। उनके साथ पार्टी ने सौतेला व्यवहार ही किया है। गुजरात मे मोदी की बुराई करने वाले नेता या विधायको को पार्टी से इस्तीफा देना पड़ा है या पार्टी ने उनको निष्कासित किया गया। गुजरात सूरत से सांसद रहे पूर्व कपड़ा मंत्री काशीराम राणा कदावर नेता थे मोदी की आलोचना उनको महंगी पड़ी। भाजपा की टिकट पर संसद में पहुंचे धत्रुघ्न सिन्हा को पार्टी की निंदा इतनी महंगी पड़ी कि पार्टी ने उनको निष्कासित कर दिया। गुजरात मे गजेरा बंधु ने मोदी की निंदा कर उनके साथ हल्की भाषा का उपयोग किया। उंन्होने रजनौतिक सन्यास लें लिया।तालाब में रहकर मगरमच्छ से बैर नही किया जा सकता है। पार्टी को बुराई कर मीडिया में वाहवाही लूटने वाले वरुण गांधी ने सरकार से मानदेय का एक रुपया नही लेने का स्पष्टीकरण करने वाले वरुण गांधी अपनी ही पार्टी में रहकर सिस्टम को भ्रष्ट बताने वाले वरुण के साथ पार्टी अच्छा व्यवहार कैसे कर सकती है।

-कांतिलाल मांडोत,सूरत

पाठक पत्र

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

फैशन करने में बरतें सावधानियां...

आजकल लड़के खुद को किसी भी चीज में कम आंकने को तैयार नहीं है। जिसके चलते आलम यह है कि वर्तमान समय में पुरुष महिलाओं के साथ फैशन और मेकअप की भी होड़ कर रहे हैं। लेकिन कई बार पुरुष फैशन के चक्कर में कई ऐसी चीजें कर बैठते हैं जिसका भविष्य में उन्हें भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। एक शोध के अनुसार पुरुषों को मॉडर्न फैशन का इस्तेमाल करने से पहले कुछ सावधानियां बरतने की ज्यादा जरुरत होती है। अन्यथा इसके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। आज हम आपको पुरुषों के फैशन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बता रहे हैं जो वे अक्सर फोलो करते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहिए।

टाइट जींस का फैशन

पहले के समय में पुरुष बेल बॉटम जीन्स पहनते थे। लेकिन आजकल महिलाओं की होड़ में पुरुष भी टाइट और नैरो जींस पहनने लगे हैं। पुरुषों का मानना है कि टाइट जींस में काफी हॉट और स्मार्ट दिखा जा सकता है। जबकि टाइट जींस पहनने से पुरुषों को हेल्थ संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। टाइट जींस से पैरों में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता। जिसके कारण मसल्स डैमेज होने लगते हैं। इसके अलावा पैरों में

सूजन की समस्या भी आती है। पुरुषों को पसीना अधिक आता है, इस कारण इंफेक्शन का भी खतरा बर्करार रहता है।

टाइट अंडरगार्मेंट

पुरुषों को टाइट अंडरगार्मेंट का शौक होता है। लेकिन पुरुषों को टाइट अंडरगार्मेंट से परहेज करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि पुरुषों का फ्रंट पार्ट बहुत सेंसिटिव होता है। ऐसे में अगर आप टाइट अंडरगार्मेंट पहनेंगे तो आपके फ्रंट पार्ट को हीट मिलेगी। जिसके चलते स्पर्म काउंट कम होने लगता है। अगर आप बेबी प्लान कर रहे हैं, तो बेहतर होगा की लूज अंडरगार्मेंट के साथ-साथ लूज पैंट पहने।

जबरदस्त टाइट बेल्ट

टाइट बेल्ट पहनना भी पुरुषों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। टाइट बेल्ट कमर के नर्व सेल्स को बाधित करते हैं। जो पैरों से जुड़े होते हैं। जो लोग अक्सर टाइट बेल्ट पहनते हैं उन लोगों को पैरों में दर्द होने, पैर सुन्न होने और पैरों में खुजली की समस्या हो सकती है। इसलिए बेल्ट हमेशा थोड़ी ढ़ीली पहनें। खाने के बाद खासकर बेल्ट को ढ़ीला कर लें।

टाई पहनना हो सकता है खतरनाक

टाई पहनना भी कई मायनों में स्वास्थ्य के लि
हानिकारक हो सकता है। जो लोग रोजाना 7-8 घंटे
पहनते हैं उन्हें स्वास्थ्य रूपी नुकसान हो सकते हैं। टाइट
पहनने से आंखों पर गहरा असर पड़ता है। यानि आंखों
रोशनी कमजोर हो सकती है। इतना ही नहीं टाईट टाई पह
से ग्लूकोमा जैसी बीमारी होने का भी खतरा बना रहता।

बोरिंग लुक से पाएं निजात

युवाओं को कभी-कभी लगता है कि उनमें कोई कमी है। लेकिन कमी आपमें नहीं बल्कि आपके बोरिंग लुक और एटिट्यूड में है। तो परेशान होने की जरुरत नहीं है क्योंकि आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे आसान टिप्स जिससे आप खुद को आकर्षक बना सकते हैं।

कपड़े

अगर आपको बिना बात किए ही महिलाओं का अटेंशन पाना है तो अपने कपड़ों और ड्रेसिंग सेंस पर ज्यादा ध्यान दें। रात को सोने से पहले ही तय कर लें कि कल बाहर जाने से पहले आपको क्या पहनना है। रात में ही अपनी शर्ट को आयरन कर लें, जूतों को पॉलिश और ब्लेज़र को क्लीन कर लें। ये ही छोटी-छोटी चीजे महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

साफ रहें

पर्सनल हाईजीन संबंधी छोटी-छोटी बातें जैसे, अपने नाखूनों को साफ रखें और समय समय पर उनको काटें, हेयर कट भी समय से कराएं और बालों को ठीक से साफ करें और कंघी करके रखें, रोज कपड़े बदलें और डियो लगाएं आदि का ध्यान रखेंगे तो महिलाएं ज्यादा इंप्रेस होंगी।

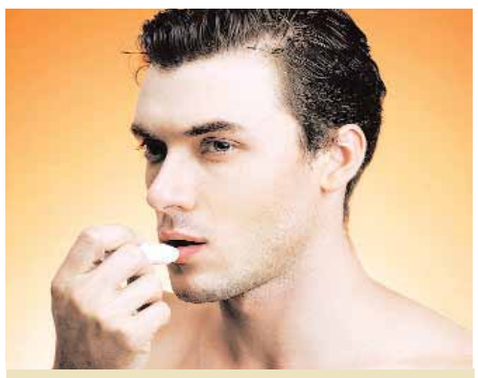

लिप बाल्म

लिप बाम केवल महिलाओं के इस्तेमाल करने की चीज़ नहीं, अच्छे होंठ वाले पुरुषों से भी महिलाएं काफी इंप्रेस होती हैं। खासतौर पर सर्दियों में होंठ फटना एक आम बात है, इसलिए उनकी देखभाल करना जरुरी हो जाता है। अगर होंठ रुखे हों तो महिलाओं ही नहीं, बाकी लोगों पर भी ये बुरा प्रभाव डालते हैं।

त्वचा का ध्यान रखें

अगर आप सोंचते हैं कि अपने चेहरे को केवल साबुन से धो लेना ही काफी है तो ज़रा एक बार और सोच लें। महिलाओं का भी इस बात पर पूरा ध्यान होता है कि किसी पुरुष की त्वचा कैसी है। यदि आपकी त्वचा साफ और कांतिमय होगी तो वे ज्यादा आकर्षित होंगी। स्क्रबर से स्क्रब कर चेहरे पर चमक आएगी और मृत कोशिकाएं हट जाएगीं।

आभूषण पहने

हम आपको बप्पी दा की तरह अपने आप को सोने से लाद देने के लिये बिल्कुल नहीं कर रहे हैं। लेकिन अगर आप एक अच्छी और पतली सी चेन या उंगली में एक रिंग डाल लेगें तो यह लुक को और थोड़ा बेहतर बना देते हैं। सिंपल, स्मार्ट और सोबर लगने के लिए जरूरी नहीं कि आप बड़ी घड़ी, लेदर कफ या फिर प्लेटिनम रिंग पहने।

दाढ़ी ट्रिम करें

देवदास की तरह दिखने में कोई फायदा नहीं क्योंकि अगर चेहरे पर असामान्य बड़ी सी दा हो तो वो महिलाएं को बिल्कुल नहीं भार इसलिए हमेशा ट्रिम करवाते रहें। कभी-क साफ चेहरा भी वह सब कर देता है जो पू पर्सनैलिटी नहीं कर पाती।

कॉन्फिडेंस रखें

जब भी किसी किसी पार्टी आदि में जाएं औ लोगों से मिलें तो पूरे आत्मविश्वास के साथ ख हैं और लोगों से बात करते समय भी कॉन्फिडे रहें। खुद को रहस्यमयी बनाकर ही आ महिलाओं को आकर्षित कर सकते हैं। किशो की तरह टेंशन क्रिएट मत कीजिए, थोड़ा मेच्यो और रहस्यमयी बनें।

पर्सनेलटी

आपकी चाल, खड़े होने का तरीका, बात कर का ढ़ंग और लोगों के साथ आपका बर्ताव लो को बेहद प्रभावित कर सकते हैं। इसलिये अप चाल-ढ़ाल और बात करने के तरीके में अंदा के साथ शालीनता और प्रवाव भी लाएं। महिलाओं के बेहद प्रभावित करता है।

स्टाइल बदलने से लग सकते हैं पतले

एक लंबे अर्से बाद आपको कल किसी डेट पर जाना है। सब कुछ अच्छा जा रहा है लेकिन एक ही मुसीबत है। आपका वजन पिछले कुछ महीनों में काफी ज्यादा बढ़ गया है। अब एक दिन में एक्सरसाइज करके आप अपना वजन तो नहीं घटा सकते। तो अब आप क्या करेंगे? एक तरीका है। आप अपने कपड़े पहनने के स्टाइल पर खास ध्यान देकर स्लिम नजर आ सकते हैं।

फिट कपड़े पहने

बहुत से लोग सोचते हैं कि बड़े और ढीले-ढाले कपड़े पहनने से उनकी इस समस्या का हल हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है। बड़े कपड़े पहनने से आप और ज्यादा भारी-भरकम नजर आ सकते हैं। इसलिए ऐसे कपड़े पहने जो आपको अच्छी तरह से फिट हो। फिट कपड़े पहनने से आप तुलनात्मक रूप से पतले दिखते हैं।

गहरे रंग के कपड़े

काला पहनने से लोग पतले दिखते हैं। ऐसा ऑप्टिकल इल्यूजन की वजह से होता है। इसके साथ ही, काला हर खास मौके पर अच्छा लगता है। एक टाइट फिटिंग की शर्ट के साथ ऊपर से ब्लैक जैकेट या कोट पहनें, और आपकी मुश्किल हल हो जाएगी।

बेल्ट पहनें

बेल्ट पहनें। इसका मतलब ये नहीं है कि आप अपनी तोंद को बेल्ट के सहारे दबाने की कोशिश करें। इसका मतलब सिर्फ ये है कि बेल्ट का इस्तेमाल एसेसरीज के तौर पर करें, ताकि आपकी पैंट अच्छे से फिट रहे। अगर आपका पैंट अच्छे से फिट होगा तो आपकी अपर बॉडी स्लिम दिखेगी।

शर्ट पैंट में टक न करें

शर्ट के बॉटम को लटकने देने से शर्ट आपके प्रॉब्लम एरिया के साथ नहीं चिपकती, जिससे उसकी तरफ ध्यान नहीं जाता। लेकिन अगर आप शर्ट को पैंट में टक कर लेते हैं तो ध्यान आपके पेट और चेस्ट की तरफ सबसे ज्यादा जाता है।

स्ट्रिप्स और भड़कीले रंगों से बचें

आपके अक्सर सुना होगा कि हॉरिजोंटल स्ट्रिप्स से मोटापा छलकता है और वर्टिकल स्ट्रिप्स से व्यक्ति पतला नजर आता है। लेकिन वर्टिकल स्ट्रिप्स से सबका ध्यान आपके शरीर पर ज्यादा जाता है। इसके अलावा, भड़कीले रंग भी सबका ध्यान आकर्षित करते हैं, इसलिए इस तरह के कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

पॉश्चर का रखें ख्याल

पॉश्चर एक ऐसी चीज है जो आपके मोटा होने के बावजूद आपको पतला दिखा सकती है और पतला होने पर मोटा। जितना हो सके स्ट्रेट खड़े हों, इससे आप पतले दिखेंगे और अगर हाल ही में आपने कुछ पौंड वजन कम किया है तो आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा।

भरी हुई न हो पॉकेट

अपने कपड़ों की पॉकेट में भारी सेल फोन, ज्यादा भरे हुए वॉलेट और कार की चाबियां न रखें। इससे आपके मिडसेक्शन पर ज्यादा ध्यान जाएगा और आप नहीं चाहेंगे कि ऐसा हो।

बात-बात पर आता है गुस्सा?

इसे भगाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

क्या आप गुस्से में आकर किसी को भी बुरा-भला बोल देते हैं? क्या आपने भी गुस्से में कुछ भी बोलकर अपनों का दिल दुखाया है? या फिर अपने बनते कामों को गुस्से की वजह से खराब किया है? अगर आप इन्हीं में से हैं जिनके गुस्से ने लाइफ की हर चीज़ पर ब्रेक लगा दी है, तो नीचे दिए टिप्स को फॉलो करें. ये टिप्स आपको गुस्सा कंट्रोल करने में मदद करेंगे और बार-बार गुस्सा आने की आदत को रोकेंगे.

1. जब भी आपको गुस्सा आने लगे तो मुंह से कुछ भी बोलने से पहले 10 तक उलटी गिनती गिनना शुरू कर दें.
2. गुस्से में कुछ भी गलत रिएक्ट करने की बजाय एक्सरसाइज़ करने लग जाएं. चलने लगें या फिर सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे दौड़ें. आप इसे कंट्रोल करने के लिए रोज़ाना एक्सरसाइज़ करें. जैसे स्विमिंग या वॉक.
3. तुरंत गुस्सा कंट्रोल करने के लिए लंबी सांसे लें. कुछ अच्छी सीनरी या फोटोज़ देखें. गाना सुनें. योगा करें या फिर कुछ अच्छा पढ़ने लग जाएं.
4. अपने इमोशन को कभी भी कंट्रोल नहीं करना चाहिए. इसीलिए गुस्से में गलत रिएक्ट करने के बजाय किसी ऐसे अपने से बात करें, जो आपको समझे.
5. बोलने से पहले आप क्या बोल रहे हैं उस पर ध्यान देनें की प्रैक्टिस करें. इससे आप धीरे-धीरे गुस्से में जल्दी रिएक्ट करने की आदत को छोड़ देंगे.

रेसिपी

आलू प्याज कचौरी

सामग्री

आटे के लिए: 1 कप: आटा 1 कप: मैदा 1 टीस्प
अजवाइन 1 टेबलस्पून: तेल स्वादानुसार नमक, प
स्टफिंग 3 प्याज (बारीक कटे हुए), 4 आलू (उबले ह
1 कटी हुई: हरी मिर्च, 2 टीस्पून: सौंफ हरा धनि
(कटा हुआ), आमचूर पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसा
1 टीस्पून, आधा टीस्पून: पुदीना पाउडर 1 कप:
दाल (2 घंटे भिगोकर रखी हुई) जरूरतानुसार: कुक
ऑयल

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में आटा,मैदा,अजवाइन,तेल,नमक और पानी मिलाकर गूंथ लें। ध्यान रखें कि य पतला ना हो और इसे15 मिनट के लिए ढक कर रख दें। अब पैन में तेल डालकर इसमें स्टफिंग की सामग्री हल्की भून लें। एक कड़ाही में कचौरी फाई करने के लिए तेल गर्म लें और दूसरी तरफ आटे की लोई बना लें। अब स्टफिंग भरें और लोई को कचौरी का आकार दें और गोल्डन होने तक फाई करें। इसे हरी और लाल चटनी के साथ सर्व करें। आप चाहें तो इसे चने या फिर आलू की सब्जी के साथ भी खा सकते हैं।

पालक छोले टिक्की

सामग्री

ब्लैंचहेड पालक: 70 ग्राम हरी मिर्च:2
लहसुन: 4-5 कलियां उबले चने: 200 ग्राम
नमक: 1 छोटा चम्मच गर्म मसाला: 2 छोटे चम
चाट मसाला: छोटा डेढ़ चम्मच, ब्रेड क्रम्ब्स: 1
ग्राम तेल: फाई करने के लिए धनिया: गार्निश
के लिए

विधि

एक ब्लेंडर में 70 ग्राम ब्लैंचहेड पालक, 2 हरी मिर्च और 4-5 लहसुन की कलियां डालकर अच्छ तरह से ब्लेंड करें। फिर इसमें 200 ग्राम उबले चने, 1 छोटा चम्मच नमक, 2 छोटे चम्मच डालकर दोबारा ब्लेंड करें। इस मिश्रण को अब एक बाउल में निकालकर इसमें 100 ग्राम ब्रैड क्रम्ब्स मिक्स करें। इसके बाद मिश्रण का कुछ हिस्सा लें और इसे हाथों से गोल करते हुए इसे टिक्की की शेप दे दें। बाकी के मिश्रण को भी ऐसे ही तैयार कर लें। अब एक में पैन में पर्याप्त तेल डालकर गर्म करें और टिक्की को उसमें दोनों तरफ से सुनहरा ब्राउन होने तक फाई करें। आपकी पालक छोले टिक्की तैयार है। इसे कैचअप के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

जिद्दी दाग हो या अनचाहे बाल, चेहरे की हर समस्या के लिए फायदेमंद है हल्दी

घर की रसोई में मसाले के रूप में प्रयोग की जाने वाली हल्दी काफी फायदेमंद है। हल्दी के प्रयोग से चेहरे पर निखार आता है और स्किन से जुड़ी सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इतना ही नहीं हल्दी का प्रयोग कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स को बनाने के लिए भी किया जाता है। मार्केट में उपलब्ध होने वाले कई लोशन, क्रीम, मॉइश्चराइज़र, साबुन, फेस पैक में हल्दी का प्रयोग होता है। लेकिन अगर आप हल्दी का प्रयोग इन तरीकों से घर में ही करेंगी तो आपकी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। जानिए हल्दी को प्रयोग करने के उपाय...

सनटैन

सनटैन खत्म करने के लिए आधा चम्मच हल्दी पाउडर में एक चम्मच टमाटर का रस और एक चम्मच दही मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 30 मिनट बाद धो लें। इन तीनों में विटामिन ष्ट की भरपूर मात्रा होती है, जिससे सनटैन खत्म हो जाएगा।

डार्क सर्कल्स

डार्क सर्कल्स कम के लिए दो चम्मच हल्दी पाउडर में कुछ बूंदे टमाटर का रस और बादाम का तेल मिलाएं। तैयार मिश्रण को आंखों के नीचे लगाकर मसाज करें। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

एक्ने

एक्ने कम करने के लिए हल्दी पाउडर में कुछ बूंदे एलोवेरा जेल की मिलाएं। इसे एक्ने पर 20 से 30 मिनट के लिए लगाएं। इससे फेस का एक्सट्रा ऑयल और गंदगी निकल जाएगी और चेहरा पर रंगत आएगी।

स्किन हाइड्रेशन

स्किन को हाइड्रेट करने के लिए एक चम्मच हल्दी में, एक चम्मच बेसन, चुटकीभर चंदन पाउडर और दूध मिलाकर इसका गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इसको लगाने से स्किन मॉइश्चराइज होगी। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

चेहरे के अनचाहे बाल

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए हल्दी पाउडर, बेसन, नींबू और दही मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर पांच मिनट के लिए लगाएं और अच्छे से मसाज करें। ऐसा हर हफ्ते करें। इससे चेहरे के छोटे-छोटे बाल खत्म हो जाएंगे।

पढ़ने के बावजूद याद नहीं रहता

...तो अपनाएं मेमोरी बढ़ाने के 7 टिप्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सब कुछ इतना तेज है कि कई बार आपको ढेर सारी चीजें याद रखना मुश्किल हो जाता है। कई बार आप लोगों के नाम भूल जाते हैं, चीजों को कहीं रख देते हैं लेकिन बाद में याद नहीं आती। पढ़ाई मन लगाकर करते हैं लेकिन बाद में पढ़ा हुआ याद नहीं रहता। ऐसी कई समस्याएं आज आम हो गई है। आज छात्रों को कई सारी प्रतियोगी परीक्षाएं भी देनी होती है, लेकिन अगर ऐसे में मेमोरी साथ नहीं देंगी तो कहीं न कहीं आप पिछड़ जाएंगे।

- नींद हमारे लिए बहुत जरूरी है। अगर आप अच?छी नींद नहीं लेंगे तो आपकी मेमोरी पर इसका असर पड़ेगा। इसलिए माइंड को शार्प रखने के लिए पर्याप?त नींद लें।
- जिस तरह हमें शारीरिक रूप से चुस?त-दुरुस?त रहने के लिए व?यायाम की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह दिमाग को सक्रिय रखने के लिए दिमागी तौर पर व?यायाम करने की भी आवश?यता है। क्रॉसवर्ड, पजल?स, वीडियो गेम जैसी एक्टिविटी मेमोरी को शार्प करती है। साथ ही एकाग्रता भी बढ़ाती है।
- माइंड एव?सरसाइज के अलावा आपको दिमाग को शांत करने के? लिए मेडि?टेशन का भी सहारा लेना होता है। इससे भी मेमोरी बढ़ती है।
- आपके खानपान का असर आपकी मेमोरी पर सीधे पड़ता है। इसलिए हेल?दी फूड खाएं। हरी सब्जियां, बादाम अखरोट आदि मेमोरी पॉवर बढ़ाने में मदद करते हैं।
- अगर आपके साथ भी यही समस?या है कि आप नाम और नंबर्स जल?दी भूल जाते हैं, याद नहीं रख पाते तो आपको याद करने के तरीके बदलने होंगे। आपको इसके लिए किसी तरह के विजुअल या स?टोरी जोड़ने से आसानी से याद हो जाते हैं।
- नयापन बहुत जरूरी है। इसलिए हमेशा ऐसी चीजें करें जो नई हो और आपने पहले कभी नहीं की हो। कुछ नया सीखते रहने से दिमाग सक्रिय रहता है और मेमोरी भी अच?छी बनी रहती है।
- अगर आप ऑर्गनाइज?ड रहेंगे तो मेमोरी लॉस की समस?या का सामना नहीं करना पड़ेगा। आप अपनी चीजें व?यवस्थित रखेंगे तो उन?हें भूलने की संभावना कम होगी।

हास्पिटेलिटी में करियर के काफी मौके

समय के साथ-साथ लोगों के लक्ष्य भी बदल रहे हैं। व्यवसाय से संबद्ध सरोकार बदल रहे हैं। कुछ दशक पहले यह परंपरा थी कि अभिभावक अपने बच्चों को डाक्टर, इंजीनियर या वकील ही बनाना चाहते थे। आज अभिभावकों की सोच बदल चुकी है। वे डाक्टर, इंजीनियर और वकील के विकल्प को छोड़ अपने बच्चों के लिए बेहतर अवसरों के अंबार चाहते हैं। उनकी आकांक्षाओं की उड़ान को पंख लगाने में होटल व्यवसाय अहम भूमिका निभा सकता है। पिछले कुछ दशकों से टूरिज्म और ट्रैवल इंडस्ट्रीज में जबरदस्त ग्रोथ आया है। यही कारण है कि होटल, रेस्टोरेंट और एयरलाइंस में लोगों की मांग काफी बढ़ी है। भारत में इसका विस्तार काफी है और विदेशी धन का सबसे बड़ा स्रोत भी यही है। गौरतलब है कि भारत में सबसे अधिक अंग्रेजी बोलने वाले लोग हैं। होटल मैनेजमेंट की डिग्री हास्पिटेलिटी में करियर बनाने का पहला कदम है। इस करियर क्षेत्र में आप कभी भी खाली बैठे नहीं रह सकते हैं क्योंकि होटल हर शहर में हैं जहां आप विभिन्न तरह की नौकरी पा सकते हैं। साथ ही, यहां आप जिस भी उम्र वर्ग में हों, आपको काम मिल सकता है। होटल मैनेजमेंट के तहत आपको दो चीजें सीखनी होती हैं, पहला रूम डिवीजन जिसमें फ्रंट सर्विस और हाउसकीपिंग है। दूसरा, फूड एंड बीवरेज है जिसमें उनके प्रोडक्शन और सर्विस व किचन से संबंधित ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा होटल अकाउंटिंग, न्यूट्रीशन और फॉरेन लैंग्वेज की भी जानकारी दी जाती है। साथ ही संस्कृति, सामाजिक जिंदगी, एथनिक प्रोडक्ट्स, टूरिज्म, स्थानीय रीति-रिवाज भी सिखाए जाते हैं।

दुनियाभर में मौके

इस फील्ड में करियर के काफी मौके हैं, जिसके तहत सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के बाहर भी अवसर हैं। होटल चेन वैश्विक स्तर पर कार्य करती हैं। यह काफी ग्लैमरस प्रोफेशन है। होटल इंडस्ट्री के ग्रोथ का मुख्य कारण विदेशी-देशी टूरिज्म और बिजनेस ट्रैवल का बढ़ना है। हास्पिटेलिटी इंडस्ट्री में वे लोग काफी आगे जा सकते हैं, जिनकी रुचि अतिथियों की सेवा करने में होती है। अब होटल मैनेजरों की नियुक्ति बैंक, एयरलाइंस, कॉल सेंटर, मल्टीप्लेक्स शॉपिंग माल्स, क्रूजशिप आदि में होने लगी है। नए ग्रेजुएट के साथ-साथ होटल या रेस्टोरेंट में कार्य करने वाले प्रशिक्षित लोगों की मांग भी काफी है। मार्केटिंग,सेल्स एक्जीक्यूटिव, एफएमसीजी, स्पोर्ट्स कंपनी, मीडिया हाउस, पीआरओ एजेंसी, एडवर्टाइजिंग आउटलेट्स और इवेंट मैनेजमेंट आदि में भी काम मिलता है।

विकल्पों की भरमार

रेस्टोरेंट मैनेजमेंट, फास्ट फूड ज्वाइंट मैनेजमेंट, क्लब मैनेजमेंट, क्रिएशन एंड हैल्थ सेंटर मैनेजमेंट, क्रूजशिप मैनेजमेंट, इंस्टीच्यूशनल एंड इंडस्ट्रियल कैटरिंग, एयरलाइन कैटरिंग एंड कैबिन सर्विस होटल एंड कैटरिंग इंस्टीच्यूट, होटल एंड टूरिज्म एसोसिएशन कैटरिंग डिपार्टमेंट, बैंक और इंश्योरेंस हाउसेज, सरकारी कैटरिंग डिपार्टमेंट मसलन रेलवे, आर्म्ड फोर्सेज, मिनिस्ट्रियल कन्वेंशन आदि फूड कन्फेक्शनरी, बीवरेज प्रोडक्शन इंडस्ट्रीज आदि में नौकरी की काफी संभावनाएं हैं।

शैक्षणिक योग्यता

अभ्यर्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बारहवीं की हो, तो निश्चित तौर पर वह इसके बाद तीन वर्षीय होटल मैनेजमेंट की डिग्री हासिल कर सकता है। यदि अभ्यर्थी किसी विषय से ग्रेजुएशन किया है तो वह होटल मैनेजमेंट में दो वर्षीय ग्रेजुएट डिग्री कर सकता है। सीनियर सेकेंडरी सर्टिफिकेट प्राप्त कर चुके छात्र तीन महीने से लेकर एक साल की अवधि वाले सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। बारहवीं कर चुके छात्रों के लिए डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के कोर्स हैं। आपकी तरक्की शैक्षणिक योग्यता पर ही निर्भर करती है। होटल इंडस्ट्री का दायरा इतना बड़ा है कि इसमें कम पढ़े- लिखे से लेकर ज्यादा से ज्यादा पढ़े- लिखे के लिए भी आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। इसे रोजगार का खुला आकाश कह सकते हैं।

होटल व्यवसाय में चुनौतियां

होटल मैनेजमेंट बेशक बहुत ही अच्छे व्यवसाय का रूप है, लेकिन यह बिजनेस भी कई चुनौतियों से भरा हुआ है। आपको अगर मार्केट में जगह बनानी है, तो यह आपके लिए चुनौती है कि आप किस तरह से होटल इंडस्ट्री में अपना मुकाम बनाकर उसे कायम रख सकते हैं। होटल इंडस्ट्री में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि लोगों को काफी शिफ्ट में काम करना पड़ता है। इस के लिए काफी स्टाफ की जरूरत होती है। कई बार जब अच्छे ग्रेजुएट लोग नहीं मिल पाते हैं, तो कंपनी डिप्लोमा किए हुए लोगों की नियुक्ति कर लेती है। इसलिए अगर आप ने डिप्लोमा किया है तो भी आप इस इंडस्ट्री का हिस्सा बन सकते हैं।

कितनी होती है सैलरी

इस क्षेत्र में वेतनमान इस बात पर निर्भर करता है कि आप सरकारी क्षेत्र में हैं या प्राइवेट सेक्टर में। इसके अलावा वेतन आप के पद और वरीयता के आधार पर निर्धारित होता है। कई कंपनियां होटल प्रोफेशन से संबद्ध अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को अच्छा वेतन देती हैं। फिर भी शुरुआती दौर में 15-25 हजार रुपए प्रति माह आसानी से मिल जाते हैं।

हालातों से सामंजस्य बैठाएं...

भावनाओं की अभिव्यक्ति

यह आफिस है- आपका घर नहीं, यह छोटा-सा जुमला हमें अकसर सुनने को मिलता है। निजी जीवन में जहां आप भावनाओं को सबसे अधिक महत्त्व देते हैं, आपके पेशेवर व्यक्तित्व में भावुकता का कोई स्थान नहीं होता। इस बात के लिए एक नहीं कई संदर्भ हो सकते हैं। आज समय की मांग ऐसी है कि हर इनसान कार्यस्थल पर खुद को अच्छा प्रोफेशनल साबित करना चाहता है और इसके लिए वह जी-जान से मेहनत भी करता है, लेकिन इसके लिए केवल मेहनत ही काफी नहीं है, बल्कि करियर में सफल होने के लिए अपनी भावनाओं की सही ढंग से अभिव्यक्ति और उन पर नियंत्रण भी बहुत जरूरी है। आजकल ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को इंप्रेशन मैनेजमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। इसमें यह सिखाया जाता है कि ईंसान व्यक्तिगत रूप से चाहे कितना ही तनावग्रस्त क्यों न हो, लेकिन आफिस में लोगों से बातचीत करते समय उसके चेहरे और बॉडी लैंग्वेज में तनाव बिल्कुल दिखाई नहीं देना चाहिए, क्योंकि सहकर्मियों पर इसका बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कमजोरियों को पहचानें

आफिस में कामकाज का स्वस्थ माहौल बनाए रखने के लिए अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें तो यह आपके करियर के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। सबसे पहले अपने व्यक्तित्व की कमजोरियों को पहचान कर उन्हें डायरी में नोट करें। साथ ही उन स्थितियों को भी हमेशा याद रखने की कोशिश करें, जब भावनाओं पर आपका नियंत्रण नहीं रहता। जिन स्थितियों में आपको ज्यादा गुस्सा आता है या जब आप अति उत्साहित होकर बहुत ऊंचे स्वर में बोलने लगते हैं, तब सचेत तरीके से भावनाओं पर काबू रखने की कोशिश करें। शुरुआत में आप के लिए ऐसा करना मुश्किल होगा, लेकिन धीरे-धीरे यह आपकी आदत बन जाएगी।

कैसे करें सेल्फ असेसमेंट?

सेल्फ असेसमेंट का मुख्य लक्ष्य अपने काम, अपने लक्ष्य के साथ उपलब्धियों के बारे में अधिकारियों को बताना होता है। हालांकि यह भी सच है कि आपके बॉस के संज्ञान में आपसे संबंधित सारे तथ्य और जानकारियां रहती है, लेकिन साथ ही साथ वह यह देखना चाहता है कि कर्मचारी खुद के प्रति और अपने काम के प्रति कैसा नजरिया रखता है। वह अपना मूल्यांकन सही-सही करता है या नहीं। इस दौरान वह अपनी खूबियों के साथ कमियों पर भी नजर डालता है या नहीं। इसलिए सेल्फ-असेसमेंट के समय बेहद सजग रहने की जरूरत होती है। अपने बारे में वही बताएं, जिसे आप सिद्ध कर सकें। बड़े-बड़े बोल से कुछ हासिल होने वाला नहीं, बल्कि उल्टे छवि खराब ही होती है। सेल्फ-असेसमेंट में आप यह जरूर बताएं कि आपकी यह उपलब्धियां सिर्फ निजी नहीं है, बल्कि संस्थान के लिए भी हितकर साबित हुई हैं। इसका उसके बिजनेस पर सकारात्मक असर पड़ा है। यहां इस बात का

भी ध्यान रखें कि निजी उपलब्धियों का बखान करने का कोई मतलब नहीं बनता, लेकिन इसका यह भी अर्थ नहीं कि अगर संस्थान से इतर आपने कोई ऐसी बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिससे समाज में आपका कद ऊंचा हुआ है तो उसका जिक्र जरूर करें, क्योंकि आपके साथ आपके संस्थान का नाम जुड़ा है। निश्चित ही आपकी ऐसी उपलब्धियों से संस्थान की भी प्रतिष्ठा बढ़ती है, क्योंकि समाज में ऐसी छवि जाती है कि संस्थान में कर्मियों के व्यक्तित्व का विकास होता है।

एवैल्यूएशन फॉर्म: अधिकतर संस्थानों में सेल्फ-असेसमेंट के दौरान एक एवैल्यूएशन फॉर्म भरना होता है। इसे भरते समय काफी सजग रहने की जरूरत है। यह फॉर्म संस्थान का एचआर डिपार्टमेंट तैयार करता है और इसमें कंपनी की सोच भी लक्षित होती है। इस वजह से यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एवैल्यूएशन फॉर्म आपके करियर विकास में महती भूमिका निभा सकता है। यदि आप इसे पॉजिटिव एप्रोच के साथ भरें तो यह आपके करियर को नई दिशा भी दे सकता है। इसलिए फॉर्म भरने से पहले यह तय कर लें कि अपनी किस कार्यक्षमता, उपलब्धि और योजना को फोकस करना है। इससे यह भी पता चलता है कि संस्थान के हित में आपने क्या-क्या किया है और आपके आगामी लक्ष्य क्या-क्या हैं। इसलिए अपनी महत्वपूर्ण आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी देते समय एक एंटरप्रेन्योर की तरह सोचें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि वह योजना धरातल पर उतारने योग्य हो, साथ में यह भी कि अगर इसकी जिम्मेदारी आपके ही पास आ जाती है तो उसे आप सफलतापूर्वक अंजाम दे सकें।

कैसे भरें इवैल्यूएशन फॉर्म: सबसे पहले खुद का सटीक आत्ममूल्यांकन करें। उसके बाद उसी अनुरूप पूरी ईमानदारी से फॉर्म भरें। अपने काम और अपनी योजनाओं के बारे में लिखें। सबसे पहले पिछले साल की अपनी उपलब्धियों को सूचीबद्ध करें। इसके बाद आगामी साल के लिए आपने जो लक्ष्य तय किया है, उसे लिखें। फिर इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपके पास क्या-क्या योजनाएं हैं, उसे भी लिखें। किसी प्रशिक्षण, परियोजना या संस्थान की किसी समिति आदि से जुड़े रहे हैं तो उसके बारे में भी जरूर लिखें। साथ में यह भी बताएं कि वहां रहते हुए आपने क्या महत्वपूर्ण कार्य किए।

मजबूत पक्ष: इवैल्यूएशन फॉर्म में अपने मजबूत पक्ष को हाईलाइट करें, साथ में अपने वीक जोन की भी चर्चा करें और यह भी बताएं कि उन क्षेत्रों में विकास करने के लिए आपके पास क्या-क्या योजनाएं हैं। अगर प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस करते हैं तो उसका भी जिक्र करें। इससे आपकी ईमानदार सोच और संस्थान के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का पता चलेगा।

तथ्य सही हों: यह भी बेहद जरूरी है कि अपनी उपलब्धियों को सही ढंग से पेश करें। पिछले साल का अप्रेजल पेश करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, बशर्ते आप उससे यह साबित कर पाएं कि पिछले एक साल के दौरान आपका कितना विकास हुआ है और अपने काम को लेकर आप पहले से कितना बेहतर हुए हैं। साथ ही यह भी बताएं कि आपके काम से संस्थान को क्या और कितना फायदा पहुंचा है।

अपनी अपेक्षाएं: इस बात को भी स्पष्ट करें कि आप अपनी मेहनत और लगन से संस्थान की अपेक्षाओं पर अब तक किस तरह खरे उतरे हैं और आगे किस तरह उतरेंगे और इसके बदले में संस्थान से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं।

कैसे बनें फोरेंसिंक एक्सपर्ट?

कानून और अपराध के बीच आंख-मिचौनी का खेल हमेशा से चलता रहा है। अपराध और कानून की दौड़ में कभी अपराध आगे, तो कभी कानून पीछे होता है। पर कानून कहीं न कहीं अपराध को पछाड़ ही देता है। नई-नई तकनीकें जिनमें फोरेंसिक साइंस भी एक है, कानून को कारगर बनाने में मदद करती है। आज कल आपराधिक घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है, लेकिन अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, वह कोई न कोई सुराग छोड़ ही जाता है। इन्हीं बारीक साक्ष्यों के सहारे फोरेंसिक एक्सपर्ट विज्ञान के सिद्धांतों और नई तकनीकों का उपयोग करते हुए अपराधियों तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। इस के लिए एक्सपर्ट ब्लड, बॉडी फ्ल्यूड, हेयर, फिंगर प्रिंट, फुट प्रिंट और टिश्यू आदि की मदद लेते हैं। कुछ प्रमुख विश्वविद्यालयों में भी फोरेंसिक साइंस से संबंधित कोर्स शुरू किए हैं, जो कि कुछ वर्ष पहले तक नहीं थे। इससे यही साबित होता है कि यह कोर्स अब लोकप्रिय होता जा रहा है।

कैसे मिलेगी एंट्री

फोरेंसिक साइंस में एंट्री के लिए साइंस बैकग्राउंड में दस जमा दो पास होना अनिवार्य है। जमा दो साइंस में करने के बाद ही आगे के रास्ते खुलते हैं। यदि साइंस संकाय से दस जमा दो की हुई है, तो फोरेंसिक साइंस में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद फोरेंसिक साइंस और क्रिमिनोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा भी कर सकते हैं। फोरेंसिक साइंस में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए स्नातक में फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, बी फार्मा,बीडीएस और एप्लाइड साइंस में किसी एक में 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य हैं। इसके अलावा फोरेंसिक स्पेशलिस्ट (जो मरने के बाद पोस्टमार्टम करते हैं) बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री जरूरी है। फोरेंसिक साइंस में एमडी भी कर सकते हैं। फोरेंसिक साइंस में स्पेशल कोर्स करके आप इस क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता बढ़ते ही आपके पद और पगार में बढ़ोतरी होती जाएगी। गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

बढ़ती लोकप्रियता

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

व्यक्तिगत गुण

इस प्रोफेशन में आने के लिए युवाओं को लीक से हटकर योग्यताएं रखनी होती हैं। युवा ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल और विश्लेषणात्मक क्षमता होना जरूरी है। इस फील्ड में जाने का इच्छुक नार्मल लाइफ से हट कर सोचने वाला चाहिए। अच्छी तार्किक सोच रखने और हर पहलू पर बारीकी से विचार करने वाले और अलर्ट माइंड वाले इस करियर में आसानी से एडजस्ट हो सकते हैं।

कहां मिलेगी नौकरी

फोरेंसिक एक्सपर्ट के लिए गवर्नमेंट और प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन में जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं। यदि गवर्नमेंट जॉब की बात करें, तो फोरेंसिक साइंटिस्ट के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन(सीबीआई), स्टेट पुलिस फोर्स की क्राइम सैल में, केंद्र व राज्य की फोरेंसिक लैब और प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसी में जॉब के अच्छे अवसर हैं। प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इस सफल होता है।